आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 62 | उज्जैन, बुधवार 22 जनवरी 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

सिकल सेल मुक्त भारत अभियान में मध्यप्रदेश देश का अग्रणी राज्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों को दी बधाई

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिकल सेल मुक्त भारत अभियान में मध्यप्रदेश देश का अग्रणी राज्य बनने पर प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से विकास हो रहा है। स्वास्थ्य और उपचार के क्षेत्र में रोग की समय पर पहचान और रोकथाम पर जोर दिया जा रहा है। इसक्रम में वर्ष 2024-25 में 90 लाख से अधिक स्क्रीनिंग के साथ रक्त रोग सिकल सेल की स्क्रीनिंग में मध्यप्रदेश ने अग्रणी राज्य बनने की उपलब्धि प्राप्त की है। इस उपलब्धि के लिए समर्पित सभी अधिकारी और कर्मचारी बधाई के पात्र हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वर्ष 2047 तक सिकल सेल मुक्त भारत बनाने का संकल्प लिया है। इसके लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रक्त रोग सिकल सेल एनीमिया के बचाव के लिए नागरिकों से जागरूक रहने का आहवान किया है।

मध्यप्रदेश में अब तक कुल 90 लाख 98 हज़ार 902 लोगों की सिकल सेल स्क्रीनिंग कर शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया गया है। इसके साथ ही 53 लाख 87 हज़ार 892 सिकल सेल कार्ड (59.21त्न) वितरण की उपलब्धि दर्ज कर, मध्यप्रदेश ने देश में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है।

किशनगंगा–रातले विवाद में भारत का पलड़ा भारी, पाकिस्तान के दावे खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में स्थित किशनगंगा और रातले जलविद्युत परियोजनाओं पर पाकिस्तान की आपत्तियों के बीच भारत को एक बड़ी राहत मिली है। वर्ल्ड बैंक द्वारा नियुक्त तटस्थ विशेषज्ञ माइकल लीनो ने सोमवार को कहा है कि वे इन परियोजनाओं पर भारत और पाकिस्तान के बीच विवादों का समाधान करने के लिए सक्षम हैं। यह निर्णय भारत के पक्ष को मजबूती प्रदान करता है।

दरअसल पाकिस्तान ने 2015 में इन परियोजनाओं पर आपत्तियों के समाधान के लिए तटस्थ विशेषज्ञ नियुक्त करने का अनुरोध किया था। हालांकि, 2016 में उसने एकतरफा इस प्रक्रिया को वापस लेकर हेग स्थित स्थायी मध्यस्थता न्यायालय में मामला ले जाने की मांग की। भारत ने तटस्थ विशेषज्ञ की बैठकों में भाग लिया लेकिन स्थायी न्यायालय की कार्यवाही से यह कहते हुए दूरी बनाए रखी कि दोनों प्रक्रियाएं एक साथ नहीं चल सकतीं।

तटस्थ विशेषज्ञ और इंटरनेशनल कमीशन ऑफ लार्ज डैम्स के अध्यक्ष माइकल लीनो ने अपने बयान में कहा कि वे इन परियोजनाओं पर दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद निर्णय देंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन विवादों को हल करना उनके अधिकार क्षेत्र में है।

सरिया और सीमेंट को भी जारी किया जा रहा हलाल सर्टिफिकेट, SC में सॉलिसिटर जनरल ने दी दलील

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में हलाल सर्टीफिकेट का मुद्दा एक बार फिर उठा है। सॉलीसिटर जनरल तुषार मेहता ने सोमवार को इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि लोहे का सरिया और सीमेंट जैसी वस्तुओं पर भी हलाल सर्टिफिकेट जारी किया जा रहा है। उन्होंने पूछा कि आखिर दूसरे धर्म के लोगों को हलाल सर्टिफिकेट वाले उत्पादों की अधिक कीमत क्यों चुकानी पड़ रही है।

दरअसल, सॉलीसिटर जनरल तुषार मेहता ने उत्तर प्रदेश में निर्माण, भंडारण, बिक्री, वितरण, खाद्य उत्पाद के वितरण पर हलाल सर्टिफिकेट जारी होने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही जस्टिस बीआर गवई और अगस्टीन जार्ज मसीह की खंडपीठ के समक्ष कहा कि जहां तक हलाल मीट का सवाल है किसी को भी आपत्ति नहीं है। लेकिन जज साहब यह जानकर आप भी स्तब्ध रह जाएंगे कि सीमेंट और लोहे की सरिया को भी हलाल सर्टीफिकेट जारी किया जा रहा है।

प्रलय मिसाइल देख कांप उठेंगे दुश्मन, गणतंत्र दिवस पर दुनिया देखेगी भारत की ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। परंपरागत हथियारों को ले जाने में सक्षम नवविकसित सामरिक मिसाइल प्रलय को गणतंत्र दिवस पर स्वदेशी शस्त्र प्रणालियों के साथ कर्तव्य पथ पर प्रदर्शित किया जाएगा। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने सोमवार को संवाददाताओं को बताया कि गणतंत्र दिवस की परेड में अन्य स्वदेशी हथियारों के साथ प्रलय को भी प्रदर्शित किया जाएगा।

प्रलय कम दूरी वाली सतह से सतह में मार करने वाली मिसाइल है जिसके पेलोड की क्षमता 500-एक हजार किलो है। इसकी मारक क्षमता 150 से 500 किमी की दूरी तक है। देश में विकसित और निर्मित एडवांस लाइट हेलीकाप्टर (एएलएच) ध्रुव इस बार 26 जनवरी की परेड में फ्लाइपास्ट का हिस्सा नहीं बन सकेगा। इन हेलीकाप्टरों की उड़ानों को रोकना एक तरह का झटका है।

31 झांकियां होंगी प्रदर्शित

भारतीय सेना, नौसेना, वायुसेना और तटरक्षक दल फिलहाल 330 एएलएच हेलीकाप्टरों का इस्तेमाल कर रहे हैं। रक्षा सचिव ने बताया कि 90 मिनट की परेड में 16 राज्यों और 15 मंत्रालयों की 31 झांकियां प्रदर्शित की जाएंगी। इस बार की परेड पर गहरी सांस्कृतिक छाप होगी। पांच हजार आदिवासी कलाकार अपना हुनर दिखाएंगे। भारतीय सेना के डेयरडेविल्स का विश्व रिकार्ड कर्तव्य पथ पर सोमवार को भारतीय सेना की मोटरसाइकिल सवारों की टीम डेयरडेविल्स ने कर्तव्य पथ पर विजय चौक से इंडिया गेट के बीच कलाबाजियां करते हुए सबसे बड़ा मानव पिरामिड बनाकर विश्व रिकार्ड बनाया है।

फडणवीस ने पलट दिए एकनाथ शिंदे के कौन से तीन फैसले, जिससे बिगड़े रिश्ते

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र में सरकार गठन के दो महीने बाद एक बार फिर से महायुति में खींचतान साफ दिख रही है। सरकार ने नासिक और रायगढ़ जिलों के लिए प्रभारी मंत्री के तौर पर गिरीश महाजन और एनसीपी नेता अदिति तटकरे के नाम का ऐलान किया, जिस पर शिवसेना ने सख्त ऐतराज जताया। खुद एकनाथ शिंदे की ओर से इस मामले पर देवेंद्र फडणवीस को कॉल करके नाराजगी जाहिर की गई, जिसके बाद फैसले पर स्टे लगा दिया गया। अब माना जा रहा है कि इस सप्ताह के अंत तक ही इस पर कोई फैसला होगा। सीएम विदेश दौरे पर हैं और डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे सतारा स्थित अपने पैतृक गांव चले गए हैं। इस बीच शिवसैनिकों की ओर से नासिक और रायगढ़ में विरोध जारी है ताकि एकनाथ शिंदे गुट की दावेदारी मजबूत की जा सके।

वहीं कुछ शिवसेना नेताओं का कहना है कि नाराजगी के कुछ और भी कारण हैं। दरअसल बीते कई महीनों से कुछ ऐसे फैसले हुए हैं, जिनमें एकनाथ शिंदे के दौर के निर्णयों को पलटा गया है। इससे भी एकनाथ शिंदे गुट असहज हुआ है। इसके अलावा एनसीपी के साथ भाजपा की ज्यादा नजदीकी मानी जा रही है और इससे भी तमाम लोग दुखी हैं। इनमें से एक फैसला स्कूलों को लेकर है। एकनाथ शिंदे के एजुकेशन मिनिस्टर रहे दीपक केसरकर ने निर्णय लिया था कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के लिए यूनिफॉर्म सप्लाई के लिए अलग से एजेंसी बनेगी।

एचएमपीवी वायरस का एक और मामला आया सामने, अब इस राज्य में मिला दूसरा केस

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में एचएमपीवी वायरस की रफ्तार तेजी से बढ़ रही है। अब असम के गुवाहाटी में एचएमपीवी का दूसरा केस मिला है। गुवाहाटी में एक 75 साल का महिला में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) संक्रमण का पता चला है, जो इस सीजन में असम में ऐसा दूसरा मामला है। महिला का एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है, स्वास्थ्य सुविधा के एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी है। अधिकारी ने मामले की जानकारी देते हुए आगे बताया कि महिला को अभी पृथक-वास में रखा गया है।

क्या है जन्मसिद्ध नागरिकता का अधिकार, जिसे ट्रंप करने जा रहे खत्म; भारतीयों पर होगा बुरा असर?

नई दिल्ली (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में दूसरी बार शपथ ले ली। इसके बाद उन्होंने कई शासकीय आदेश पर दस्तखत किए। इसमें कैपिटल हिल हिंसा के दोषियों को माफी देने के साथ-साथ पेरिस जलवायु समझौते और विश्व स्वास्थ्य संगठन से अमेरिका को बाहर करने का फैसला भी शामिल है। इसके साथ ही ट्रंप ने एक ऐसे कार्यकारी आदेश पर भी हस्ताक्षर किए, जिसका उद्देश्य अमेरिका में जन्मसिद्ध नागरिकता को समाप्त करना है। यह ऐसी नीति है जो अमेरिका में 150 से अधिक वर्षों से लागू है। राष्ट्रपति ट्रंप का यह फैसला अमेरिकी आव्रजन नीति में एक बड़े बदलाव को दर्शाता है। इसका असर वैसे लाखों बच्चों की नागरिकता पर पड़ेगा, जिनका जन्म अमेरिका में हुआ हो और उस दौरान उनके माता-पिता वर्क वीजा पर वहां रह रहे हों या कुछ ऐसे माता-पिता जो अपने बच्चों को जन्म देने के लिए ही अमेरिका में प्रवास कर रहे हों। इस तरह की यात्रा को बर्थ टूरिज्म कहा जाता है और लंबे समय से अमेरिका में बढ़ते बर्थ टूरिज्म की आलोचना होती रही है।

क्या है जन्मसिद्ध नागरिकता का अधिकार- अमेरिकी संविधान अपने 14वें संशोधन के आधार पर उन सभी को जन्मसिद्ध नागरिकता की गारंटी देता है, जिसका जन्म अमेरिकी धरती पर हुआ हो। चाहे जन्म लेने वाले बच्चे के माता-पिता की नागरिकता कहीं की हो या उसका माइग्रेशन स्टेटस वैध हो या अवैध हो। बिना इन स्थितियों की परवाह किए बिना अमेरिकी धरती पर जन्म लेने वाले हरेक बच्चे को अमेरिकी नागरिकता का अधिकार देने का यह प्रावधान 1868 में अधिनियमित किया गया था। इस प्रावधान का उद्देश्य संयुक्त राज्य अमेरिका में जन्मे सभी व्यक्तियों को नागरिकता देने के लिए डिजायन किया गया था। खासकर गृहयुद्ध के बाद पूर्व दासों की दशा को सुधारने के लिए अमेरिकी संविधान में 14वां संशोधन किया गया था। इस अधिकार ने लाखों लोगों को अमेरिकी नागरिकता दी है। इनमें अवैध अप्रवासियों के बच्चे भी शामिल हैं।

नए अवतार में व्हाइट हाउस की वेबसाइट; राष्ट्रपति ट्रंप का दिखा अलग स्वैग

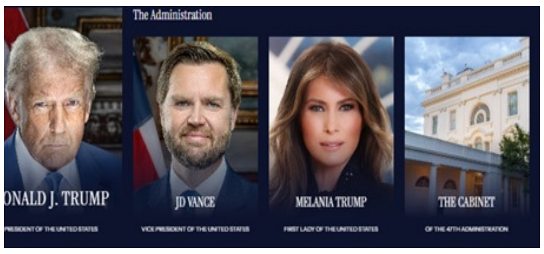

नई दिल्ली (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनते ही व्हाइट हाउस की वेबसाइट की डिजाइन बदल गई है। ह्वाइट हाउस की वेबसाइट नए रंग रूप में दिख रही है। वेबसाइट के बैनर में ''अमेरिका इज बैक'' लगाया गया है। वहीं, ट्रंप की एक फोटो और हस्ताक्षर वाला संदेश भी है।

संदेश में लिखा है, 'मैं हर दिन अपनी हर सांस के साथ आपके लिए लड़ता रहूंगा। मैं तब तक चैन से नहीं बैठूंगा, जब तक हम मजबूत, सुरक्षित और समृद्ध अमेरिका नहीं बना देते, जिसके हमारे बच्चे और आप हकदार हैं। यह वास्तव में अमेरिका का स्वर्णिम युग होगा।'' इसके अलावा सोशल मीडिया हैंडल्स 'एक्स', फेसबुक और इंस्टाग्राम पर भी 'व्हाइट हाउस' की नई डिजाइन सामने आई है। वेबासाइट पर राष्ट्रपति ट्रंप, फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप और उपराष्ट्रपति जे डी वेंस की प्रोफाइल भी है। वेबसाइट पर ट्रंप के पहले कार्यकाल की उपलब्धियों का भी जिक्र किया गया है। इनमें मध्य वर्ग को कर में राहत, रोजगार समेत अन्य पहल का भी उल्लेख किया गया है। राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रंप ने रचा इतिहास

ट्रंप अमेरिका के इतिहास में दूसरे राष्ट्रपति हैं जो राष्ट्रपति के पहले कार्यकाल के बाद हार गए लेकिन चार साल बाद फिर राष्ट्रपति बनने में कामयाब रहे। ट्रंप ने राष्ट्रपति चुनाव में कमला हैरिस को हराया है। ट्रंप का पहला कार्यकाल 2017 से 2021 तक रहा।

इससे पहले ग्रोवर क्लीवलैंड अमेरिका के 22वें और 24वें राष्ट्रपति रहे थे। उनका पहला कार्यकाल 1885-89 तक और दूसरा कार्यकाल 1893-97 तक था। ट्रंप अमेरिका के पहले राष्ट्रपति हैं जिन्हें किसी अपराध में दोषी ठहराया गया है। न्यूयार्क की एक जूरी ने ट्रंप को एक पोर्न स्टार को दी गई गुप्त रकम को छिपाने के लिए हेराफेरी करने का दोषी पाया है।

ट्रंप की प्रमुख घोषणाएं

मैक्सिको की खाड़ी का नाम अमेरिका की खाड़ी किया जाएगा

मैक्सिको सीमा पर दीवार बनेगी

सभी प्रकार की सेंसरशिप खत्म होगी

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बहाल होगी

अमेरिका की संप्रभुता बनाए रखेंगे

ड्रग तस्कर आतंकी घोषित होंगे

घरेलू तेल उत्पादन को बढ़ाया जाएगा

राष्टीय ऊर्जा आपातकाल की भी घोषणा होगी

टैरिफ वसूलने के लिए सरकारी यूनिट बनेगी

इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की योजना रद होगी

दूसरों की जंग में अमेरिकी सेना नहीं भेजी जाएगी

रंगभेद नहीं योग्यता को मिलेगी प्राथमिकता

अमेरिकियों को समृद्ध करने के लिए कई देशों पर लगाएंगे टैक्स

व्यापार प्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन किया जाएगा

US Citizenship मिलना अब आसान नहीं, जन्मसिद्ध नागरिकता कानून खत्म करेंगे ट्रंप; भारतीयों पर पड़ेगा बुरा असर?

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के तुरंत बाद डोनाल्ड ट्रंप ने कई बड़े फैसले लिए। उन्होंने बाइडन सरकार के 78 फैसलों को रद कर दिया।

छह जनवरी 2021 को कैपिटल हिल पर हुए हमले के दोषी 1500 लोगों को माफी देने से लेकर अमेरिका को विश्व स्वास्थ्य संगठन से बाहर निकालने तक, कई अहम मुद्दों पर फैसला लिया।

गौरतलब है कि ट्रंप ने अमेरिका में जन्मसिद्ध नागरिकता को समाप्त करने का फैसला कर लिया है। अमेरिकी आव्रजन नीति में बड़ा बदलाव किया जाएगा। इसका असर अमेरिका में मौजूद लाखों बच्चों की नागरिकता पर पड़ेगा, जिनका जन्म भले ही अमेरिका में हुआ है, लेकिन उनके माता-पिता वर्क वीजा पर वहां हैं। दरअसल, अमेरिकी संविधान में हुए 14वें संशोधन के मुताबिक जो बच्चा वहां की धरती पर पैदा होता है, वो खुद ब खुद अमेरिकी नागरिक बन जाता है। बढ़ी तादाद में माता-पिता अपने बच्चों को जन्म देने के लिए अमेरिका में प्रवास कर रहे हैं। इसे बर्थ टूरिजम कहा जाता है।

ट्रंप ने आदेश में क्या कहा है- आदेश में कहा गया है कि अमेरिका में जन्में उन्हीं बच्चों को अमेरिका की नागरिकता दी जाएगी, जिनके माता-पिता से कोई एक अमेरिकी नागरिक हों या उनमें से किसी के पास ग्रीन कार्ड हो।

भारत और चीन पर पड़ सकता है असर- दरअसल, अमेरिका में बढ़ी तादाद में भारत और चीन के लोग H-1B वीजा पर वहां रहते हैं। ट्रंप प्रशासन का यह फैसला अमेरिका में मौजूद भारतीय पेशेवरों के जीवन पर पड़ने वाला है।

जानकारी के मुताबिक, अमेरिका में 48 लाख से अधिक भारतीय अमेरिका रहते हैं, जिनमें एक बड़ा हिस्सा उन लोगों का है, जिन्हें जन्मसिद्ध नागरिक ता मिली हुई है।

नाजी सैल्यूट किया; डोनाल्ड ट्रंप की शपथ में एलन मस्क की हरकत पर भड़के लोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के 47 वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ले ली है। वाइट हाउस में दोबारा एंट्री लेने से पहले उनका भव्य शपथ ग्रहण समारोह सुर्खियां बटोर रहा है। इस बीच टेस्ला के सीईओ और ट्रंप के खास एलन मस्क विवादों में घिर गए हैं। उन्होंने ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में कथित तौर पर नाजी सैल्यूट किया है जिससे लोग नाखुश नजर आ रहे हैं। दर्सल ट्रंप के शपथ लेने के कुछ घंटों बाद ही मस्क ने समर्थकों से बातचीत की। भाषण के दौरान उन्होंने भीड़ की तरफ हाथ दिखाकर एक ऐसा इशारा किया जिसकी तुलना लोग हिटलर से जुड़े नाजी सैल्यूट से कर रहे हैं। टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ मस्क को ट्रंप प्रशासन में तथाकथित सरकारी दक्षता विभाग का नेतृत्व करने का काम सौंपा गया है। ट्रंप के शपथ लेने के बाद मस्क ने अपने भाषण के दौरान कहा कि ट्रंप की यह जीत असाधारण है। वाशिंगटन में कैपिटल वन एरिना में मस्क ने कहा, यह मानव सभ्यता राह में एक अहम मोड़ है। यह सच में बहुत मायने रखता है। इसे संभव बनाने के लिए धन्यवाद! इसके बाद मस्क ने अपने दाहिने हाथ को अपनी छाती पर थपथपाया और फिर अपनी हथेली नीचे करके और उंगलियों को सटाकर अपनी बांह को ऊपर की ओर बढ़ाया।

डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनते ही इस विश्वासपात्र भारतवंशी ने अचानक कर लिया किनारा, बताई वजह

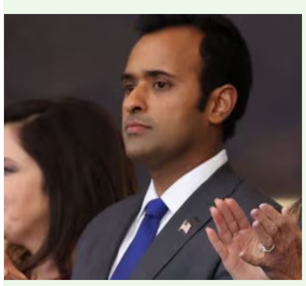

नई दिल्ली (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बन गए हैं। सोमवार को वाशिंगटन में एक भव्य आयोजन में ट्रंप ने वैश्विक नेताओं और समर्थकों की गर्मजोशी के बीच शपथ ली। ट्रंप ने अपने भाषण की शुरुआत में कहा कि अब अमेरिका में स्वर्णिम युग शुरू होने वाला है। ट्रंप के राष्ट्रपति बनते ही उनके विश्वासपात्र और भारतवंशी रिपबल्किन नेता विवेक रामास्वामी ने बड़ा ऐलान करके सभी को चौंका दिया। उन्होंने डीओजीई विभाग से किनारा कर लिया है। ट्रंप ने राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद डीओजीई के लिए एलन मस्क और रामास्वामी को इसकी जिम्मेदारी दी थी। रामास्वामी ने ऐसा करने की वजह भी बताई है। व्हाइट हाउस ने मंगलवार को जानकारी दी कि डोनाल्ड ट्रम्प के संयुक्त राज्य अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के कुछ घंटों बाद, भारतीय मूल के उद्यमी विवेक रामास्वामी अब सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) का हिस्सा नहीं रहेंगे, जिसके लिए ट्रम्प ने उन्हें अरबपति एलोन मस्क के साथ नेतृत्व करने के लिए चुना था। बता दें कि 39 वर्षीय रामास्वामी ने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के दौरान रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से चुनाव लड़ा था।

डोनाल्ड ट्रंप की ताजपोशी के अगले ही दिन पुतिन और जिनपिंग में हुई वीडियो कॉल, क्या हुई बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की ताजपोशी हो चुकी है और अब वो क्या कदम उठाएंगे... इस पर पूरी दुनिया की नजरे हैं। ट्रंप ने शपथ लेते ही सोमवार को अपने तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। उन्होंने पनामा नहर को लेकर चीन पर निशाना साधा। कहा कि सबसे बड़ी बात यह है कि पनामा नहर चीन चला रहा है, जबकि हमने यह काम पनामा को दिया था। रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर ट्रंप ने अभी अपने पत्ते नहीं खोले हैं, लेकिन जल्द से जल्द संघर्ष खत्म करने का वादा किया है। इस बीच मंगलवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच वीडियो कॉल पर बात हुई। पुतिन ने शी को कहा कि पिछला साल हमारे लिए फायदेमंद और बहुत फलकारी रहा। रॉयटर्स ने बीजिंग के राज्य मीडिया के हवाले से बताया कि मंगलवार को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मंगलवार को अपने रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन के साथ एक वीडियो कॉल की। पुतिन ने शी को हाथ हिलाकर अभिवादन किया और उन्हें प्रिय मित्र कहकर संबोधित किया। उन्होंने कहा कि वह रूसी-चीनी व्यापक साझेदारी और रणनीतिक सहयोग के विकास के लिए नई योजनाओं को रेखांकित करना चाहते हैं। क्रेमलिन ने उनकी बैठक का एक वीडियो जारी किया है। पुतिन ने शी से कहा, मैं आपसे सहमत हूं कि मॉस्को और बीजिंग के बीच सहयोग व्यापक राष्टीय हितों की समानता और प्रमुख शक्तियों के बीच संबंधों को लेकर विचारों की समानता पर आधारित है। उन्होंने आगे कहा, हम अपनी साझेदारी को मित्रता, आपसी विश्वास और समर्थन, समानता और आपसी लाभ के आधार पर बनाते हैं।

इंडोनेशिया के जावा द्वीप पर भूस्खलन और बाढ़ से 17 लोगों की मौत, 8 लापता

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडोनेशियाई बचावकर्मियों ने कम से कम 17 लोगों के शव बरामद किए हैं जो देश के मुख्य द्वीप जावा के पहाड़ी गांवों में अचानक आई बाढ़ में बह गए थे या भारी कीचड़ और चट्टानों के नीचे दब गए थे। इस घटना की जानकारी अधिकारियों ने मंगलवार को दी। वहीं, आठ लोग अभी भी लापता हैं।

स्थानीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के प्रमुख बर्गास कैटुरसासी ने बताया कि सोमवार को हुई मूसलाधार बारिश के कारण नदियां उफान पर आ गईं और मध्य जावा प्रांत के पेकलोंगान क्षेत्र के नौ गांवों में बाढ़ आ गई, तथा पहाड़ी इलाकों के गांवों पर कीचड़, चट्टानें और पेड़ गिर पड़े।

उन्होंने बताया कि बचावकर्मियों ने मंगलवार तक सबसे ज़्यादा प्रभावित पेटुंगक्रीयोनो गांव से कम से कम 17 शवों को बाहर निकाला है और बचावकर्मी आठ ग्रामीणों की तलाश कर रहे हैं जो कथित तौर पर अभी भी लापता हैं। कैटुरसरी ने बताया कि ग्यारह घायल लोग भागने में सफल रहे और उन्हें नज़दीकी अस्पतालों में ले जाया गया।

मंगलवार को टेलीविजन पर आई खबरों में दिखाया गया कि पुलिस, सैनिक और बचावकर्मी उत्खनन मशीनों, कृषि उपकरणों और अपने हाथों से मलबे को छान रहे हैं और तबाह हो चुके गांवों में मृतकों और लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं, जबकि अन्य लोग पीड़ितों को बांस के स्ट्रेचर या बॉडी बैग पर रखकर एम्बुलेंस या ट्रकों तक ले जा रहे हैं।

ट्रंप के शपथ में भारत का जलवा तो चीन को सख्त संदेश, अमेरिकी राष्ट्रपति ने ड्रैगन को क्यों दी खुली धमकी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के राष्ट्रपति पद की शपथ ले ली है। ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में कई बड़ी हस्तियां मौजूद रहीं। दुनियाभर के खास मेहमान इसमें शामिल हुए, लेकिन कार्यक्रम में भारत को खास तवज्जो मिलती दिखी।

दरअसल, ट्रंप के शपथ समारोह में पीएम मोदी को भी न्योता आया था। उन्होंने अपने प्रतिनिधि के तौर पर विदेश मंत्री एस जयशंकर को भेजा था। जयशंकर इस कार्यक्रम में पहली पंक्ति में बैठे दिखे। वो ट्रंप के एकदम सामने नजर आए। इससे साफ हो रहा है कि ट्रंप भारत को अपना खास दोस्त मान रहा है।

जयशंकर ने किया पोस्ट- विदेश मंत्री ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, आज शाम वाशिंगटन में उद्घाटन समारोह में भाग लिया। राष्ट्रपति ट्रंप के प्रशासन के प्रमुख सदस्यों से मिलने का अवसर मिला। शाम के समारोह में स्पीकर माइक जॉनसन और बहुमत नेता जॉन थून से मिलकर भी खुशी हुई। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली से भी मैं मिला और पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं दीं।

ट्रंप कैबिनेट सदस्यों से मिले जयशंकर- कार्यक्रम के दौरान, जयशंकर ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के प्रमुख सदस्यों से मुलाकात की, जिसमें अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के 56वें ??अध्यक्ष माइक जॉनसन और सीनेट के बहुमत नेता जॉन थून शामिल थे। उन्होंने संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के निदेशक पद के लिए नामित काश पटेल से भी बातचीत की।

135 वर्षों में ब्रिटेन ने INDIA से 5611 लाख करोड़ लूटे

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंग्रेजों ने औपनिवेशिक काल में भारत को जमकर लूटा। 1765 से 1900 तक अंग्रेजों ने भारत से 64.82 ट्रिलियन डॉलर यानी 5611 लाख करोड़ रुपये की लूट मचाई थी। यह खुलासा ऑक्सफैम इंटरनेशनल की एक नई रिपोर्ट में हुआ है।

रिपोर्ट के मुताबिक इसमें से 33.8 ट्रिलियन डॉलर की राशि 10 फीसदी अंग्रेजों में बांटी गई। दावोस में वर्ल्ड इकनोमिक फोरम की सलाना बैठक में इस रिपोर्ट को सार्वजनिक किया गया।

अंग्रेजों ने औद्योगिक उत्पादन भी किया तबाह- ऑक्सफैम इंटरनेशनल ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि अंग्रेजों की इस लूट का असर भारत के औद्योगिक उत्पादन पर पड़ा। वैश्विक औद्योगिक उत्पादन में भारत की हिस्सेदारी 1750 में 25 फीसदी थी, जो 1900 तक गिरकर सिर्फ 2 फीसदी ही बची। इसकी वजह यह भी थी कि ब्रिटेन ने भारतीय कपड़ों के खिलाफ कठोर नीतियों को लागू किया। इससे उत्पादन पर विपरीत असर पड़ा। सिर्फ 135 साल की लूट ने ब्रिटेन में अंग्रेजों की कई पीढ़ियों को अमीर बना दिया है।

संपत्ति से चार बार लंदन ढका जा सकता- अंग्रेजों ने भारत से कितनी संपत्ति लूटी है? इसका अंदाजा आप इस बात से लगा सकते हैं कि अगर कुल भारतीय संपत्ति को 50 ब्रिटिश पाउंड के नोट में विभाजित किया जाए और इसके बाद इन्हें जमीन पर बिछाया जाए तो पूरे लंदन शहर को चार बार ढका जा सकता है।

रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया कि 10 फीसदी अंग्रेजों के पास सबसे अधिक संपत्ति पहुंची है। मगर ब्रिटेन के मध्यम वर्ग को भी इसका लाभ पहुंचा है। लगभग 32 फीसदी धन मध्यम वर्ग तक पहुंचा है।

डीआरडीओ में नौकरी लगवा दूंगा; लेफ्टिनेंट कर्नल बन मासूमों को ठगता था

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने अदालत के निर्देश पर एक हाई-प्रोफाइल धोखाधड़ी मामले में लगभग 2.22 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी हरप्रीत सिंह ने भारतीय सेना के लेफ्टिनेंट कर्नल के रूप में खुद को पेश कर मासूम लोगों को धोखा दिया और डीआरडीओ जैसे सरकारी संस्थानों में नौकरी दिलाने का झांसा देकर मोटी रकम ठग ली। पिछले साल 6 नवंबर को कंदोली नागरोता के अरुण शर्मा ने एक लिखित शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें उन्होंने बताया कि पलानवाला के छन्नी देवाणों निवासी हरप्रीत सिंह ने लेफ्टिनेंट कर्नल बनकर कई युवाओं को करोड़ों रुपये का चूना लगाया। शिकायत के आधार पर नागरोता पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई।

जांच के दौरान बैंक लेन-देन, ईमेल वार्तालाप और अन्य दस्तावेजों की छानबीन की गई। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी ने शिकायतकर्ताओं से कुल 2,39,55,500 रुपये की राशि प्राप्त की थी। आरोपी ने इस रकम से जम्मू जिले के बाहू तहसील में 8 मरला जमीन पर दो मंजिला डुप्लेक्स मकान खरीदा था, जिसकी कीमत 2,22,50,000 रुपये आंकी गई।

मैंने खुद 70 घंटे काम किया, मगर किसी को जबरन ऐसा करने के लिए नहीं कह सकते, नारायण मूर्ति का नया बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंफोसिस के सह संस्थापक एनआरएन नारायण मूर्ति ने कहा है कि किसी को जबरदस्ती लंबे समय तक काम करने के लिए नहीं कहा जा सकता। लेकिन, हर किसी को इस बारे में स्वयं सोचना चाहिए और इसकी जरूरत समझनी चाहिए।

उन्होंने हाल ही में युवाओं को सप्ताह में 70 घंटे काम करने की सलाह दी थी। मूर्ति ने कहा कि उन्होंने इन्फोसिस में 40 साल तक हर सप्ताह 70 घंटे से ज्यादा काम किया। इस मुद्दे पर बहस नहीं, बल्कि स्वयं विचार करने की आवश्यकता है।

रात साढ़े आठ बजे निकलता था ऑफिस से

नारायण मूर्ति ने कहा कि मैं सुबह 6:30 बजे कार्यालय पहुंचता था और रात 8:30 बजे निकलता था। मैंने ऐसा किया है। आईएमसी मुंबई में किलाचंद स्मृति व्याख्यान के बाद मूर्ति से कार्य-जीवन संतुलन पर सवाल पूछा गया।

बहस की जगह आत्मनिरीक्षण जरूरी है- नारायण मूर्ति ने कहा कि यह उनके निजी जीवन की बातें हैं। इस पर बहस के स्थान पर आत्मनिरीक्षण जरूरी है। ऐसा कोई नहीं है जो कह सके कि आपको यह करना चाहिए, आपको यह नहीं करना चाहिए। 60 प्रतिशत भारतीय अभी भी हर महीने मुफ्त खाद्यान्न पर निर्भर हैं। इतनी गरीबी किसी देश के लिए अच्छी नहीं है। सभ्य समाज वह होता है, जहां अगली पीढ़ी के लिए जीवन बेहतर बनाया जाता है।

सुरक्षा बलों के बढ़ते ऑपरेशन से बैकफुट पर नक्सली, दस्तावेजों में हुए कई खुलासे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूरे अबूझमाड़ और दंडकारण्य में सुरक्षा बलों के बढ़ते आपरेशन से नक्सली बैकफुट पर हैं। खुद नक्सली भी इसे स्वीकार कर रहे हैं। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली से मिले नक्सलियों के पोलित ब्यूरो द्वारा तैयार नोट से इसकी पुष्टि भी होती है। नोट में पोलित ब्यूरो ने नक्सल आंदोलन के सबसे मुश्किल समय से गुजरने और पार्टी गतिविधियों को भरसक गोपनीय रखने की जरूरत बताई गई है।

यहां तक कि बड़े नेताओं और कैडर को लो प्रोफाइल रह कर काम करने और उचित समय का इंतजार करने की सलाह दी गई है। ध्यान देने की बात है कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद को पूरी तरह से खत्म करने को प्रतिबद्धता जताई है।

वैसे पिछले दिनों नक्सलियों ने पांच साल पहले लगाए गए बारूदी सुरंग में विस्फोट कर डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के आठ जवानों और एक चालक की हत्या कर इलाके में अपनी मजबूत पकड़ का संकेत देने की कोशिश की। लेकिन दंडकारण्य के इलाके में जहां कभी नक्सली मोटरसाइकिल पर बेरोकटोक घूमते थे, बंकर में लेथ मशीन के साथ हथियार बनाने का कारखाना बनाने से यह साफ हो गया है कि नक्सलियों के सबसे मजबूत दस्ते बटालियन के इलाके भी अब उनके लिए सुरक्षित नहीं रह गए है। कभी खुंखार नक्सली कमांडर हिडमा इसका प्रमुख हुआ करता था।

पिछले हफ्ते सुरक्षा बलों ने यहां आपरेशन कर 12 नक्सलियों को मार गिराया, वैसे बाद में प्रेस नोट जारी कर खुद नक्सलियों ने स्वीकार किया कि 18 नक्सली मारे गए थे। नक्सल आरपेशन से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मुठभेड़ के बाद बड़ी संख्या में नक्सलियों के शव बरामद होना भी उनकी कमजोर होती गुरिल्ला आर्मी को स्थिति को दर्शाता है। पहले मुठभेड़ के बाद नक्सली मारे गए अपने लोगों का शव भी लेकर भाग जाते थे, लेकिन अब वे ऐसा करने की स्थिति में है।

रहस्यमय बीमारी से मरे लोगों की कब्र पर पहुंचे मुख्यमंत्री अब्दुल्ला, मृतकों के लिए पढ़ा 'फातिहा'

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला मंगलवार को उन शोक संतप्त परिवारों के साथ एकजुटता व्यक्त करने राजौरी जिले के सुदूर बधाल गांव गए जिनके 13 बच्चों सहित 17 सदस्यों की पिछले डेढ़ महीने में रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि उमर अब्दुल्ला नेशनल कांफ्रेंस के स्थानीय विधायक जावेद इकबाल चौधरी के राजौरी जिला मुख्यालय से लगभग 55 किलोमीटर दूर पहाड़ी गांव पहुंचने के तुरंत बाद कब्रिस्तान गए और मृतकों के लिए 'फातिहा' पढ़ा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने मोहम्मद असलम सहित शोक संतप्त परिवारों के प्रति सहानुभूति व्यक्त की, जिन्होंने अपने छह बच्चों को खो दिया। उनके मामा और चाची ने पिछले सप्ताह उन्हें गोद लिया था। इस त्रासदी के बाद असलम और उनकी पत्नी अपने परिवार में एकमात्र जीवित बचे हैं। अधिकारियों ने बताया कि सात दिसंबर से 19 जनवरी के बीच गांव में एक-दूसरे से जुड़े तीन परिवारों के सत्रह लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मुख्यमंत्री का दौरा ऐसे दिन हो रहा है जब एक उच्च स्तरीय अंतर-मंत्रालयी टीम मौतों के कारण का पता लगाने के लिए अपनी जांच के तहत गांव का दौरा कर रही है। इससे पहले, जम्मू-कश्मीर सरकार के एक प्रवक्ता ने कहा कि जांच और नमूनों से स्पष्ट तौर पर संकेत मिला है कि मौतें बैक्टीरिया या वायरस की संचारी बीमारी के कारण नहीं हुई और इसका कोई जन स्वास्थ्य पहलू नहीं है। मृतकों के नमूनों में कुछ न्यूरोटॉक्सिन पाए जाने के बाद एक विशेष जांच दल का गठन किया गया था। अधिकारियों ने हाल ही में गांव में एक झरने को सील कर दिया था, जिसके पानी में कुछ कीटनाशक/कीटनाशक पाए गए थे। सीएम अब्दुल्ला ने मोहम्मद रफीक से भी मुलाकात की, जिनकी पत्नी और तीन बच्चों की 12 दिसंबर को मौत हो गई थी।

ब्राह्मण महासभा में पहुंचे HC के दो जज, बताया संविधान निर्माण में बिरादरी का योगदान; आंबेडकर का भी जिक्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के संविधान को तैयार करने के लिए जो ड्राफ्टिंग कमेटी बनी थी, उसके 7 सदस्यों में से तीन ब्राह्मण थे। उनका संविधान तैयार करने में अहम योगदान था और उनमें से एक बीएन राव की तारीफ खुद आंबेडकर ने की थी। यह बात ब्राह्मण महासभा के आयोजन में पहुंचे कर्नाटक हाई कोर्ट के जस्टिस कृष्ण एन. दीक्षित ने कही। उनके अलावा एक और जस्टिस वी. श्रीशानंद भी आयोजन में शामिल हुए। बेंगलुरु में चले दो दिनों के कार्यक्रम में जस्टिस कृष्ण एन. दीक्षित ने कहा कि ब्राह्मण समाज ने देश के विकास में बहुत योगदान दिया है। उन्होंने संविधान की ड्राफ्टिंग में ब्राह्मणों का इतना योगदान था कि भीमराव आंबेडकर ने खुद तारीफ की थी। उन्होंने कहा कि आंबेडकर ने कहा था कि बीएन राव ने यदि संविधान की ड्राफ्टिंग नहीं की होती तो उसे तैयार करने में 25 साल और लग जाते।

इसके अलावा भीमराव आंबेडकर के जीवन में भी उनके ब्राह्मण शिक्षक के योगदान का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भीमराव आंबेडकर के कृष्णजी नाम के शिक्षक ने ही उन्हें आंबेडकर उपनाम दिया था, जो पहले अंबावाडेकर था। भीमराव आंबेडकर का जन्म के बाद नाम भीमराव रामजी आंबेडकर रखा गया था। उन्होंने कहा कि आंबेडकर के ब्राह्मण शिक्षक ने उन्हें आर्थिक मदद भी की थी ताकि वह पढ़ाई जारी रख सकें। इससे स्पष्ट है कि ब्राह्मण सभी का सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत रत्न पाने वाले एक ब्राह्मण पीवी काणे ने धर्मशास्त्र की रचना सात खंडों में की है। इस ग्रंथ में उन्होंने गैर-ब्राह्मणों की ओर से दिए गए योगदान का जिक्र किया है।

इसके आगे वह कहते हैं कि ब्राह्मण कोई जाति नहीं है बल्कि वर्ण है। उन्होंने कहा कि वेद व्यास एक मछुआरे के बेटे थे और इसी प्रकार वाल्मीकि भी एससी या एसटी समाज के थे। फिर भी उन्होंने रामायण लिखी और हम आज तक उन्हें पूजते हैं।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश
हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 माघ कृष्ण अष्टमी

संपादकीय

भारत कुछ दिनों के बाद अपना 76वां गणतंत्र दिवस मनाने जा रहा है....

भारत कुछ दिनों के बाद अपना 76वां गणतंत्र दिवस मनाने जा रहा है। इसकी सारे देश में तैयारियां चल रही हैं। राजधानी दिल्ली में मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। अगर कोई पूछे कि भारत के लिए गणतंत्र दिवस क्यों खास है, तो इस सवाल का उत्तर होगा गणतंत्र राष्ट्र बनने के बाद देश अपने आंतरिक और बाहरी मामलों में निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र हो गया है। गणतंत्र होने का भारत के लिए बहुत गहरा और महत्वपूर्ण अर्थ है। यह सिर्फ एक राजनीतिक व्यवस्था नहीं है, बल्कि यह हमारे देश के मूल्यों, इतिहास और भविष्य की दिशा को परिभाषित करता है। गणतंत्र ने भारत को अपनी राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक नीतियों को खुद तय करने का अधिकार दिया है। इसी की मार्फत देश में एक लोकतांत्रिक प्रणाली की स्थापना की गई, जिसमें जनता को अपने प्रतिनिधियों को चुनने का हक मिला। भारत में संविधान लागू होने के बाद सभी वयस्क नागरिकों को वोट देने का अधिकार मिला। क्या यह सब सामान्य बातें हैं ?

गणतंत्र देश बनने के बाद सरकार लोगों के प्रति उत्तरदायी बनी और उसे नियमित चुनावों के माध्यम से अपनी नीतियों का हिसाब देना होता है। क्या यह सब राजशाही या गोरी सरकार के वक्त संभव था... नहीं। गणतंत्र ने कानून के शासन की स्थापना की, जिसमें सभी नागरिक कानून के समक्ष समान हैं। नागरिकों को मौलिक अधिकार मिले, जैसे कि समानता का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार, आदि। ये अधिकार सभी नागरिकों को बिना किसी भेदभाव के प्राप्त हैं। इन अधिकारों का उल्लंघन नहीं किया जा सकता है और कानून सभी नागरिकों को इन अधिकारों की रक्षा करता है। गणतंत्र बनने से भारत में कानून का शासन लागू हो गया। इसी के साथ देश में कानून के शासन की स्थापना की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। इसका मतलब है कि देश में सभी नागरिक, चाहे उनकी सामाजिक स्थिति, धर्म, जाति या लिंग कुछ भी हो, कानून के समक्ष समान हैं।

कोई भी व्यक्ति कानून से ऊपर नहीं है और सभी को कानून का पालन करना होता है। गणतंत्र बनने से पहले, भारत में ब्रिटिश शासन था, जहां कानून अंग्रेजों द्वारा बनाए जाते थे और उनका उद्देश्य भारत पर अपना नियंत्रण बनाए रखना था। उस समय, भारतीयों को समान अधिकार प्राप्त नहीं थे और उन्हें अक्सर भेदभाव का सामना करना पड़ता था। अब बात कानून के शासन की स्थापना में गणतंत्र बनने के बाद उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों की भी कर लेते हैं। भारत के संविधान ने कानून के शासन को स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संविधान ने शक्तियों को सरकार के विभिन्न अंगों (विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका) के बीच विभाजित किया, जिससे किसी एक अंग के पास अत्यधिक शक्ति न हो। देश में एक स्वतंत्र न्यायपालिका की स्थापना की गई, जो कानूनों की व्याख्या करती है और यह सुनिश्चित करती है कि सभी नागरिकों को न्याय मिले। न्यायपालिका कार्यपालिका और विधायिका के हस्तक्षेप से मुक्त है।

कानून का शासन सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक जैसी संस्थाओं का निर्माण किया गया, जो यह सुनिश्चित करती हैं कि सरकार कानून के अनुसार काम करे। समय के साथ, कानूनों में संशोधन करने की प्रक्रिया भी स्थापित की गई, ताकि वे बदलते सामाजिक मूल्यों और जरूरतों के अनुसार अनुकूल हो सकें।

यह याद रखना जरूरी है कि कानून का शासन लोकतंत्र की नींव है और यह किसी भी देश के विकास और समृद्धि के लिए आवश्यक है। यह सुनिश्चित करता है कि सभी नागरिक सुरक्षित महसूस करें, सभी नागरिकों को समान अवसर मिलें, सरकार जवाबदेह हो,भ्रष्टाचार खत्म हो और देश में शांति और स्थिरता बनी रहे।

ठाकुर रोशन सिंह

ठाकुर रोशन सिंह भारत की आज़ादी के लिए संघर्ष करने वाले क्रांतिकारियों में से एक थे। 9 अगस्त, 1925 को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के पास काकोरी स्टेशन के निकट काकोरी काण्ड के अंतर्गत सरकारी खजाना लूटा गया था। यद्यपि ठाकुर रोशन सिंह ने काकोरी काण्ड में प्रत्यक्ष रूप से भाग नहीं लिया था, फिर भी उनके आकर्षक व रौबीले व्यक्तित्व को देखकर डकैती के सूत्रधार रामप्रसाद बिस्मिल, अशफ़ाक़ उल्ला ख़ाँ और राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी के साथ उन्हें भी फ़ाँसी की सज़ा दे दी गई।

जन्म तथा परिवार

ठाकुर रोशन सिंह का जन्म 22 जनवरी, 1892 को उत्तर प्रदेश के ख्याति प्राप्त जनपद शाहजहाँपुर में स्थित गांव नबादा में हुआ था। उनकी माता का नाम कौशल्या देवी और पिता का नाम ठाकुर जंगी सिंह था। ठाकुर रोशन सिंह का पूरा परिवार आर्य समाज से अनुप्राणित था। वे अपने पाँच भाई-बहनों में सबसे बड़े थे। जब गाँधीजी ने असहयोग आन्दोलन शुरू किया, तब रोशन सिंह ने उत्तर प्रदेश के शाहजहाँपुर और बरेली ज़िले के ग्रामीण क्षेत्र में अद्भुत योगदान दिया था।

व्यक्तित्व

हिन्दू धर्म, आर्य संस्कृति, भारतीय स्वाधीनता और क्रान्ति के विषय में ठाकुर रोशन सिंह सदैव पढ़ते व सुनते रहते थे। ईश्वर पर उनकी आगाध श्रद्धा थी। हिन्दी, संस्कृत, बंगला और अंग्रेज़ी इन सभी भाषाओं को सीखने के वे बराबर प्रयत्न करते रहते थे। स्वस्थ, लम्बे, तगड़े सबल शारीर के भीतर स्थिर उनका हृदय और मस्तिष्क भी उतना ही सबल और विशाल था।

गिरफ़्तारी

ठाकुर रोशन सिंह 1929 के आस-पास असहयोग आन्दोलन से पूरी तरह प्रभावित हो गए थे। वे देश सेवा की और झुके और अंततः रामप्रसाद बिस्मिल के संपर्क में आकर क्रांति पथ के यात्री बन गए। यह उनकी ब्रिटिश विरोधी और भारत भक्ति का ही प्रभाव था की वे बिस्मिल के साथ रहकर खतरनाक कामों में उत्साह पूर्वक भाग लेने लगे। काकोरी काण्ड में भी वे सम्मिलत थे और उसी के आरोप में वे 26 सितम्बर, 1925 को गिरफ़्तार किये गए थे।

मुखबिर बनाने की कोशिश

जेल जीवन में पुलिस ने उन्हें मुखबिर बनाने के लिए बहुत कोशिश की, लेकिन वे डिगे नहीं। चट्टान की तरह अपने सिद्धांतो पर दृढ रहे। काकोरी काण्ड के सन्दर्भ में रामप्रसाद बिस्मिल, राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी और अशफ़ाक़ उल्ला ख़ाँ की तरह ठाकुर रोशन सिंह को भी फ़ाँसी की सज़ा दी गई थी। यद्यपि लोगों का अनुमान था की उन्हें कारावास मिलेगा, पर वास्तव में उन्हें कीर्ति भी मिलनी थी और उसके लिए फ़ाँसी ही श्रेष्ठ माध्यम थी। फ़ाँसी की सज़ा सुनकर उन्होंने अदालत में ओंकार का उच्चारण किया और फिर चुप हो गए। मंत्र के वे अनन्य उपासक थे।

साथियों से प्रेम

अपने साथियों में रोशन सिंह प्रोढ़ थे। इसलिए युवक मित्रों की फ़ाँसी उन्हें कचोट रही थी। अदालत से बहार निकलने पर उन्होंने साथियों से कहा था ÷हमने तो ज़िन्दगी का आनंद खूब ले लिया है, मुझे फ़ाँसी हो जाये तो कोई दुःख नहीं है, लेकिन तुम्हारे लिए मुझे अफ़सोस हो रहा है, क्योंकि तुमने तो अभी जीवन का कुछ भी नहीं देखा।

कारावास

उसी रात रोशन सिंह लखनऊ से ट्रेन द्वारा इलाहाबाद जेल भेजे गए। उन्हें इलाहाबाद की मलाका जेल में फ़ाँसी दिए जाने का फैसला किया गया था। उसी ट्रेन से काकोरी कांड के दो अन्य कैदी विष्णु शरण दुबलिस और मन्मथनाथ गुप्त भी इलाहाबाद जा रहे थे। उनके लिए वहाँ की नेनी जेल में कारावास की सज़ा दी गई थी। लखनऊ से इलाहाबाद तक तीनों साथी, जो अपने क्रांति जीवन और काकोरी कांड में भी साथी थे, बाते करते रहे। डिब्बे के दूसरे यात्रियों को जब पता चला की ये तीनों क्रन्तिकारी और काकोरी कांड के दण्डित वीर हैं तो उन्होंने श्रद्धा-पूर्वक इन लोगों के लिए अपनी-अपनी सीटें ख़ाली करके आराम से बेठने का अनुरोध किया। ट्रेन में भी ठाकुर रोशन सिंह बातचीत के दौरान बीच-बीच में ? मंत्र का उच्च स्वर में जप करने लगते थे।

शहादत

मलाका जेल में रोशन सिंह को आठ महीने तक बड़ा कष्टप्रद जीवन बिताना पड़ा। न जाने क्यों फ़ाँसी की सज़ा को क्रियान्वित करने में अंग्रेज़ अधिकारी बंदियों के साथ ऐसा अमानुषिक बर्ताव कर रहे थे। फ़ाँसी से पहली की रात ठाकुर रोशन सिंह कुछ घंटे सोए। फिर देर रात से ही ईश्वर भजन करते रहे। प्रातःकाल शौच आदि से निवृत्त होकर यथानियम स्नान-ध्यान किया। कुछ देर गीता पाठ में लगाया, फिर पहरेदार से कहा- चलो। वह हैरत से देखने लगा कि यह कोई आदमी है या देवता। उन्होंने अपनी काल कोठरी को प्रणाम किया और गीता हाथ में लेकर निर्विकार भाव से फ़ाँसी घर की ओर चल दिए। फ़ाँसी के फंदे को चूमा, फिर जोर से तीन बार वंदे मातरम् का उद्घोष किया। वेद मंत्र का जाप करते हुए वे 19 दिसम्बर, 1927 को फंदे से झूल गए। उस समय वे इतने निर्विकार थे, जैसे कोई योगी सहज भाव से अपनी साधना कर रहा हो।

अंतिम यात्रा

इलाहाबाद में नैनी स्थित मलाका जेल के फाटक पर हजारों की संख्या में स्त्री-पुरुष, युवा और वृद्ध रोशन सिंह के अंतिम दर्शन करने और उनकी अंत्येष्टि में शामिल होने के लिए खड़े थे। जैसे ही उनका शव जेल कर्मचारी बाहर लाए, वहाँ उपस्थित सभी लोगों ने नारा लगाया ÷रोशन सिंह अमर रहें÷। भारी जुलूस की शक्ल में शवयात्रा निकली और गंगा-यमुना के संगम तट पर जाकर रुकी, जहाँ वैदिक रीति से उनका अंतिम संस्कार किया गया।

पत्र

ठाकुर रोशन सिंह ने 6 दिसम्बर, 1927 को इलाहाबाद की नैनी जेल की काल कोठरी से अपने एक मित्र को पत्र में लिखा-

एक सप्ताह के भीतर ही फ़ाँसी होगी। ईश्वर से प्रार्थना है कि आप मेरे लिए रंज हरगिज न करें। मेरी मौत खुशी का कारण होगी। दुनिया में पैदा होकर मरना ज़रूर है। दुनिया में बदफैली करके अपने को बदनाम न करें और मरते वक्त ईश्वर को याद रखें, यही दो बातें होनी चाहिए। ईश्वर की कृपा से मेरे साथ यह दोनों बातें हैं। इसलिए मेरी मौत किसी प्रकार अफसोस के लायक नहीं है।

दो साल से बाल-बच्चों से अलग रहा हूँ। इस बीच ईश्वर भजन का खूब मौका मिला। इससे मेरा मोह छूट गया और कोई वासना बाकी न रही। मेरा पूरा विश्वास है कि दुनिया की कष्ट भरी यात्रा समाप्त करके मैं अब आराम की ज़िंदगी जीने के लिए जा रहा हूँ।

हमारे शास्त्रों में लिखा है कि जो आदमी धर्म युद्ध में प्राण देता है, उसकी वही गति होती है, जो जंगल में रहकर तपस्या करने वाले महात्मा मुनियों की...।

पत्र समाप्त करने के पश्चात् उसके अंत में ठाकुर रोशन सिंह ने अपना निम्न शेर भी लिखा-

ज़िंदगी जिंदा-दिली को जान ऐ रोशन
..वरना कितने ही यहाँ रोज़ फ़ना होते हैं..।

10 लाख तक की इनकम टैक्स-फ्री करेगी सरकार? जानिए क्या कहते हैं आंकड़े

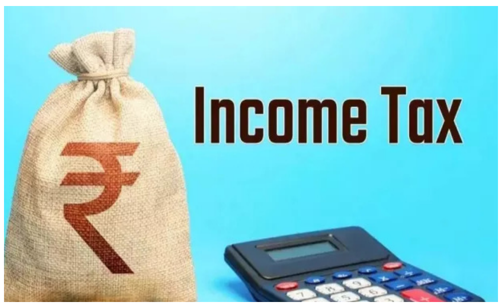

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी 2025 को केंद्रीय बजट पेश करेंगी। इस बार टैक्सपेयर्स को बजट से काफी उम्मीदें हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सरकार खपत बढ़ाने और अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने के लिए इनकम टैक्स घटाने पर विचार कर रही है। अभी नई और पुरानी, दोनों कर व्यवस्था में 10-15 लाख रुपये से ज्यादा सालाना इनकम वाले लोगों को सबसे ज्यादा 30 फीसदी टैक्स चुकाना पड़ता है। ऐसे में सरकार 10 लाख रुपये तक की सालाना इनकम को टैक्स फ्री करने पर विचार कर सकती है।

न्यू टैक्स रिजीम पर हो सकता है वित्त मंत्री का फोकस- वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2020 में न्यू टैक्स रिजीम की शुरुआत की थी। इसमें निवेश या होम लोन जैसी चीजों पर टैक्स डिडक्शन का लाभ नहीं मिलता, लेकिन टैक्स रेट कम हैं। पहले टैक्सपेयर्स ने इसमें ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखाई, लेकिन अब इसके तहत आईटीआर फाइल करने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। यही वजह है कि सरकार इसे और भी अधिक आकर्षक बनाने की कोशिश कर सकती है।

कितने टैक्सपेयर्स कर रहे न्यू टैक्स रिजीम का इस्तेमाल- अब करीब 72 फीसदी टैक्सपेयर्स न्यू टैक्स रिजीम के तहत आईटीआर फाइल करने लगे हैं। इसकी बड़ी वजह है कि नई कर व्यवस्था काफी आसान है और इसमें बिना किसी झंझट के अच्छी-खासी रकम टैक्स फ्री हो जाती है। वहीं, ओल्ड टैक्स रिजीम में वही लोग हैं, जिन्होंने होम लोन ले रखा है या फिर टैक्स बचाने के लिए कई योजनाओं में निवेश कर रखा है।

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट का असेसेटमेंट ईयर 2023-24 का डेटा बताता है कि आईटीआर फाइल करने वाले 70 फीसदी लोगों ने जीरो रिटर्न फाइल किया। इसका मतलब है कि उनकी सालाना कमाई 5 लाख रुपये या इससे कम थी। वहीं, रिटर्न फाइल करने वाले 88 फीसदी लोगों की इनकम 10 लाख रुपये से कम और 94 फीसदी लोगों की 15 लाख रुपये से कम थी।

क्या है ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्व और कैसे निवेश के अवसर पैदा होंगे?

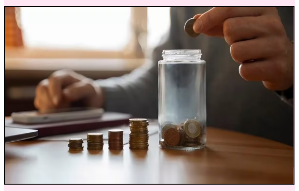

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के आर्थिक ढांचे में ग्रामीण अर्थव्यवस्था की केंद्रीय भूमिका है। यह देश के सकल घरेलू उत्पाद में 16त्न का योगदान देती है, जबकि 43त्न आबादी को रोजगार प्रदान करती है। यहां के लोग कृषि, विनिर्माण और सेवा जैसे क्षेत्रों से जुड़े हुए हैं। इस प्रकार, ग्रामीण अर्थव्यवस्था भारत के समग्र आर्थिक प्रदर्शन में अद्वितीय योगदान देती है।

दरअसल, कृषि क्षेत्र पारंपरिक होते हुए भी मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस इंडस्ट्री के लिए पूरक बन रहा है, क्योंकि आधुनिक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित हो रही हैं, जिससे स्थानीय आबादी को कमाई के अवसर मिल रहे हैं। इसके बदले में सेवाओं की मांग भी बढ़ रही है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में निवेश करना अब कई कारणों से सही समय पर अवसर प्रदान कर रहा है।

सबसे पहले, सरकार का ग्रामीण विकास पर ध्यान केंद्रित है, जिसमें बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी और जीवन की गुणवत्ता में सुधार के उद्देश्य से पर्याप्त निवेश किया गया है। उदाहरण के लिए, सौभाग्य योजना के तहत 2.9 करोड़ ग्रामीण घरों में बिजली पहुंचाई गई है, वित्त वर्ष 2023 में 6.5 करोड़ घरों को MGNREGA की सुविधा दी गई, और PMUY के तहत 11 करोड़ LPG कनेक्शन दिए गए। ऐसे कदमों से उत्पादों और सेवाओं की मांग बढ़ेगी, जिससे GDP की वृद्धि होगी।

देश को एक विकसित अर्थव्यवस्था में बदलने की कल्पना ग्रामीण भारत से होकर गुजरेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर कोई भारत में तेजी से विकास का दावा कर रहा है और अगले दो दशकों में देश को एक विकसित अर्थव्यवस्था में बदलने की कल्पना करता है, तो इस यात्रा का मार्ग निस्संदेह ग्रामीण भारत से होकर गुजरेगा। यहां देश की लगभग दो-तिहाई आबादी रहती है, जो राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 46% का योगदान करती है।

ऐसे आंकड़े प्रति व्यक्ति आय के विस्तार की संभावना को दर्शाते हैं क्योंकि जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो रहा है और डिस्पोजेबल आय बढ़ रही है। बढ़ती ग्रामीण अर्थव्यवस्था विवेकाधीन उत्पादों की मांग को बढ़ाएगी, बाजार का विस्तार करेगी और अंततः कॉर्पोरेट आय में वृद्धि का कारण बनेगी।

सरकार ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और जल जीवन मिशन जैसी योजनाएं शुरू करके इस बदलाव के लिए खुद को उत्प्रेरक के रूप में स्थापित किया है। इन पहलकदमियों का उद्देश्य कृषि पर निर्भर लोगों के लिए ग्रामीण जीवन स्तर को बेहतर बनाना है।

इतिहास और अंतरराष्ट्रीय अनुभव एक समान कहानी बताते हैं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था का विकास अक्सर कृषि आधारित अर्थव्यवस्था से मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर के प्रभुत्व वाली अर्थव्यवस्था में बदलाव के बाद होता है। भारत भी इस दिशा में कदम बढ़ा रहा है। इसकी योजना त्नष्ठक्क में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के योगदान को मौजूदा 17त्न से बढ़ाकर चीन के मौजूदा स्तर के अनुरूप 30-32त्न तक ले जाने की है।

आज भारत में 41.5त्न कार्यबल अभी भी कृषि में लगा हुआ है, फिर भी यह क्षेत्र सकल घरेलू उत्पाद में केवल 16त्न का योगदान देता है। सरकार द्वारा मैन्युफैक्चरिंग पर जोर दिया जाना ग्रामीण सकल घरेलू उत्पाद के लिए एक सकारात्मक संकेत है। इसे मेक इन इंडिया, Production-Linked Incentive स्कीम और नेशनल लॉजिस्टिक्स पॉलिसी जैसे कार्यक्रमों से बल मिला है।

ग्रामीण क्षेत्र में संभावनाओं को पहचानें- निवेशकों के लिए विकास का अवसर क्या है?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कई योजनाएं शुरू की हैं। इनमें से एक प्रमुख योजना है प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई-जी), जिसका उद्देश्य किफायती आवास प्रदान करना है। इस योजना के तहत अब तक 2.1 करोड़ घरों का निर्माण किया गया है, जिससे निर्माण क्षेत्र और उससे जुड़े उद्योगों को बढ़ावा मिला है।

इसी तरह, जल जीवन मिशन (जेजेएम) के तहत 11 करोड़ नल जल कनेक्शन स्थापित किए गए हैं, जिससे ग्रामीण घरों में पानी की आपूर्ति सुनिश्चित हुई है। इन परियोजनाओं ने जल प्रबंधन और स्वच्छता उत्पाद निर्माण से संबंधित कंपनियों को लाभ पहुंचाया है।

इन योजनाओं का प्रभाव न केवल ग्रामीण जीवन की गुणवत्ता में सुधार के रूप में दिखता है, बल्कि महिलाओं को पानी लाने में लगने वाले समय की बचत और स्वास्थ्य सुधार के माध्यम से भी महसूस किया गया है। बचा हुआ समय और बेहतर स्वास्थ्य ग्रामीण आबादी को अधिक उत्पादक बनाने और नए अवसरों का लाभ उठाने में सहायक हो सकता है। सरकारी योजनाओं ने आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया है। उदाहरण के लिए, सौभाग्य योजना के तहत विद्युतीकरण अभियान ने ऊर्जा की खपत में वृद्धि की है और बिजली से चलने वाले उपकरणों और सौर ऊर्जा उत्पादों की मांग को बढ़ाया है।

बजट में रेलवे पर बढ़ेगा फोकस, वित्त मंत्री कर सकती हैं ट्रैक विस्तार जैसे कई बड़े एलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेहतर रोड कनेक्टिविटी के बाद अब सरकार रेलवे के आधुनिकीकरण पर खर्च बढ़ाकर बुनियादी ढांचे को सुधारने पर जोर लगाएगी। एक फरवरी को पेश होने वाले बजट में इस संबंध में कुछ बड़े एलान किए जा सकते हैं। जहां तक सड़क निर्माण की बात है तो इसके आवंटन में मामूली वृद्धि ही होने की उम्मीद है।

सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने महामारी के बाद से आर्थिक विकास को गति देने के लिए बुनियादी ढांचे, विशेष रूप से सड़क नेटवर्क पर खर्च बढ़ाया है, लेकिन क्रियान्वयन चुनौतियों के चलते रेलवे पर ध्यान केंद्रित किया जा सकता है। नाम नहीं बताने की शर्त पर एक अधिकारी ने कहा कि आगामी बजट में रेल मंत्रालय का आवंटन वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 2.55 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2.90 लाख करोड़ के बीच हो सकता है।

सूत्र ने कहा कि बजट आवंटन में इस वृद्धि से रेलवे के 68,000 किलोमीटर से अधिक ट्रैक के विस्तार और मार्च 2027 तक 400 हाई-स्पीड वंदे भारत ट्रेनों को चलाने के साथ-साथ रेल माल ढुलाई में भी मदद मिलेगी। वहीं बजट चर्चाओं से परिचित एक सरकारी सूत्र ने कहा कि सड़क परिवहन मंत्रालय को उम्मीद है कि बजट में तीन से चार प्रतिशत की वृद्धि होगी और यह लगभग 2.90 लाख करोड़ रुपये हो जाएगा।

6 गुना तक बढ़ा है सड़क परिवहन मंत्रालय का बजट- पिछले एक दशक के दौरान सड़क परिवहन मंत्रालय का बजट छह गुना तक बढ़ गया है। भारत ने इस दौरान अपने सड़क नेटवर्क का लगभग 60 प्रतिशत विस्तार करके इसे 1,46,000 किलोमीटर से अधिक कर दिया है। अधिकारी ने यह भी कहा है कि खर्च की सीमा और भूमि अधिग्रहण चुनौतियों को देखते हुए सड़क परिवहन मंत्रालय दो से तीन प्रतिशत बजट वृद्धि से भी संतुष्ट होगा। उन्होंने कहा कि आंतरिक संसाधनों के माध्यम से भी धन जुटाने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

पहले आठ महीनों में सड़क मंत्रालय ने बजट का केवल 54 प्रतिशत खर्च किया नीति निर्माताओं ने सड़क परिवहन मंत्रालय द्वारा खर्च में गिरावट के बारे में चिंता व्यक्त की है। दरअसल, इसके पीछे की बड़ी वजह पिछले साल हुए आम चुनाव और कई राज्यों में चुनाव के चलते परियोजनाओं में देरी प्रमुख कारण है। सड़क परिवहन मंत्रालय ने नवंबर तक वित्त वर्ष के पहले आठ महीनों में अपने पूरे साल के बजट का केवल 54 प्रतिशत खर्च किया है जबकि रेल मंत्रालय ने 76 प्रतिशत खर्च किया है।

ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद शेयर बाजार क्रैश, सेंसेक्स और निफ्टी में भारी गिरावट

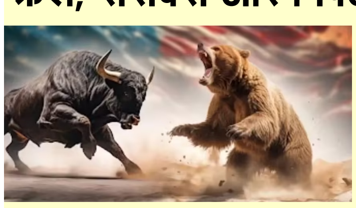

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर मार्केट एक्सपर्ट आशंका जता रहे थे कि डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी राष्ट्रपति बनने के बाद दुनियाभर के बाजारों में बड़ी हलचल देखने को मिल सकती है। भारतीय बाजार में कुछ ऐसा ही देखने को मिला। सेंसेक्स और निफ्टी में करीब 1 फीसदी की गिरावट आई है। हालांकि, अभी राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रंप ने चीन और बाकी देशों पर सख्त टैरिफ लगाने जैसा कोई एलान नहीं किया। लेकिन इसकी आशंका लगातार बनी हुई है।

शेयर बाजार का शुरुआती हाल- भारतीय शेयर बाजार ने सतर्क शुरुआत की। सुबह दोनों सूचकांक लगभग सपाट कारोबार कर रहे थे। सुबह 9ञ्18 बजे तक निफ्टी 50 0.25 फीसदी ऊपर था, जबकि 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 0.09 फीसदी ऊपर था। प्री-ओपन के समय, एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स इंडेक्स 188 अंक या 0.24 फीसदी बढ़कर 77,261 पर था, जबकि एनएसई निफ्टी 50 76 अंक या 0.33 फीसदी बढ़कर 23,421 पर था।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

युवक की हत्या कर पुलिया के नीचे पाइप में छिपाया शव दिया

रतलाम। शिवगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम राजापुरा माताजी-केलकच्छ मार्ग पर पुलिया के पास एक युवक की हत्या कर दी गई। इसके बाद शव पुलिया के नीचे पाइप में रखकर उसके ऊपर बहुत सारे पत्थर रखकर उसे छिपाने का प्रयास किया गया। हत्या किसने व क्यों की, यह पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह आठ से नौ बजे के बीच राजापुरा माताजी से करीब एक किलोमीटर दूर केलकच्छ मार्ग स्थित पुलिया के नीचे किसी ने एक व्यक्ति का पुलिया के नीचे पानी बहने के लिए लगाए गए पाइप में शव पड़ा देखा।शव के के ऊपर बड़ी संख्या में पत्थर रखे हुए थे। किसी ने ग्राम राजापुरा माताजी की चौकीदार तोलीबाई को जानकारी दी। तोलीबाई ने शिवगढ़ थाने पर सूचना दी।इसके बाद एएसपी राकेश खाखा, एफएसएल अधिकारी डा. अतुल मित्तल, रतलाम ग्रामीण एसडीओपी किशोर पाटनवाला, शिवगढ़ थाने के एसआइ आरसी खड़िया आदि पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा घटना की जांच की।

इसके बाद पत्थर हटाकर शव निकाला गया। मौके पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई थी। मृतक के स्वजन भी वहां पहुंच गए थे।

उन्होंने मृतक की पहचान 45 वर्षीय देवीलाल कटारा पुत्र प्रभु कटारा निवासी ग्राम देवीपाड़ा के रूप में की। घटना स्थल से पुलिस को खून लगे पत्थर, एक लकड़ी व बीयर की टूटी बोतल मिली है।

आठ दिन पहले मजदूरी करने गया था

मृतक देवीलाल कटारा के छोटे भाई मोहन कटारा व अन्य स्वजन ने बताया कि देवीलाल खेती व मजदूरी करता था।

8 दिन पहले ग्राम नाहरपुरा में एक किसान के खेत पर प्याज निकालने की मजदूरी करने अपनी भांजी 15 वर्षीय सोनू के साथ गया था। तब से वह वहीं था।

वह 19 जनवरी को दोपहर सोनू के साथ ग्राम राजापुरा माताजी आया था तथा भांजी से कहा कि तू घर जा, वह दाढ़ी बनवाकर आता है।

इसके बाद भांजी सोनू राजापुरा से करीब तीन किलोमीटर दूर स्थित नाना के घर चली गई थी।

काफी देर बाद भी देवीलाल कटारा घर नहीं पहुंचा, तो उसके फोन किया लेकिन उसने रिसिव नहीं किया।

उसके पास दो फोन थे। उसके फोन नहीं मिले है।

फोन कहीं फेंक दिए गए है या हत्या करने वाले ले गए हैं। उसकी किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। हमें नहीं पता उसे कितने मारा।

डॉग 700 मीटर दूर तक गया

पुलिस ने मौके पर डॉग स्कवाड को भी बुलाया। डॉग पुलिया के नीचे जहां शव रखा था, वहां से निकल बाहर आया तथा आसपास घुमता हुआ वहां से करीब 700 मीटर दूर स्थित दूसरी पुलिया के पास जाकर रुक गया। इससे माना जा रहा है कि हत्या करने वाले दूसरी पुलिया की तरफ होकर भागे होंगे। पुलिस के अनुसार मामले की जांच की जा रही है।

रैबीज के डर से अस्पताल में लगी कतार, गांव में हड़कंप

ग्वालियर। डबरा क्षेत्र के एक गांव में कुत्ते ने भैंस को काट लिया। इसके बाद कई लोगों ने उस भैंस के दूध का सेव कर लिया। भैंस को कुत्ते के काटने की जानकारी लगते ही हड़कंप मच गया। उस भैंस का दूध पीने वाले 15 लोग रैबीज के खतरे के चलते इंजेक्शन लगवाने मुरार जिला अस्पताल पहुंच गए।

एक साथ इतने सारे मरीजों को देखकर नर्सिंग स्टाफ हैरत में पड़ गया। स्टाफ ने लोगों से पूछा कि उनको कुत्ते ने कहां काटा है, तो वह बोले हमें नहीं काटा भैंस को काटा है, हमने तो सिर्फ दूध पिया है, इसलिए इंजेक्शन लगवाने यहां आए हैं।नर्सिंग स्टाफ ने लोगों को समझाया कि दूध पीने से कोई खतरा नहीं होता, लेकिन लोग नहीं माने और एंटी रैबीज इंजेक्शन लगवाने के बाद ही अस्पताल से गए।

अस्पतालों में रैबीज इंजेक्शन पर्याप्त लोगों से सतर्क रहने की अपील

जिले में कुत्ते के काटने के मामले बढ़ गए हैं। रोजाना 70 से 80 लोग एंटी रैबीज इंजेक्शन लगवाने जेएएच से लेकर जिला अस्पताल तक पहुंच रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग भी लोगों को सतर्क रहने की अपील कर रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. सचिन श्रीवास्तव का कहना है कि अस्पतालों में रैबीज इंजेक्शन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं।

सैफ अली खान पर नया संकट... क्या छीन ली जाएगी मध्यप्रदेश में पिता के नाम की करोड़ों की संपत्ति?

जबलपुर। फिल्म अभिनेता सैफ अली खान के परिवार की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। सैफ के हमले के बाद अब करोड़ों की संपत्ति पर संकट गहरा गया है। भोपाल में उनकी संपत्तियों को लेकर लंबे समय से चल रहा विवाद और बढ़ गया है।

दरअसल, भोपाल जिले में स्थित उनकी अचल संपत्ति पर हाई कोर्ट द्वारा 2015 में लगाए गए रोक के आदेश को हटा दिया गया है। इस निर्णय के बाद से सैफ अली खान के परिवार के लिए संपत्ति खतरे में आ गई है।यह संकट इसलिए और गहरा गया है, क्योंकि परिवार के पास अपील करने का मौका समाप्त हो चुका है। जिला प्रशासन अब इन संपत्तियों को अधीन करने के लिए स्वतंत्र हो गया है। हालांकि, सैफ परिवार के पास अभी भी एक और मौका है। वे हाई कोर्ट की युगलपीठ में अपील दायर कर सकते हैं।

यह विवाद भोपाल में स्थित सैफ अली खान की संपत्ति को लेकर 1960 के दशक में शुरू हुआ था। नवाब हमीदुल्ला खान का निधन हुआ, तो उनकी बेटी आबिदा सुल्तान को संपत्ति पर हकदार माना गया था। आबिदा पाकिस्तान जा चुकी थीं। उसके बाद भारत सरकार ने एक अध्यादेश जारी कर भोपाल की नवाबी संपत्ति की उत्तराधिकारी उनकी दूसरी बेटी साबिया सुल्तान को घोषित कर दिया। इस अध्यादेश के बाद संपत्ति खरीदारों के बीच डर फैल गया था कि कहीं ये संपत्तियां केंद्र सरकार वापस न ले ले।

सैफ अली खान ने अपनी संपत्ति को शत्रु संपत्ति घोषित करने के खिलाफ 2014 में चुनौती दी थी। उनका यह कहना था कि उनकी संपत्ति शत्रु संपत्ति नहीं है। इस मामले में शत्रु संपत्ति विभाग की कार्रवाई गलत थी। इस चुनौती ने इस पूरे विवाद को और भी पेचीदा बना दिया।

हाई कोर्ट के आदेश के बाद विवाद इस मामले में हाल ही में हाई कोर्ट में हुई सुनवाई के बाद एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। हाई कोर्ट ने 13 दिसंबर को सैफ अली खान, उनकी मां शर्मिला टैगोर और साबिया सुल्तान की याचिका को निरस्त कर दिया। कोर्ट ने उन्हें 30 दिनों के भीतर अपीलीय अधिकरण में अपील करने का विकल्प दिया था, लेकिन इस समय सीमा के भीतर अपील दायर नहीं की गई।

मध्यप्रदेश में निवेश के अवसरों पर पुणे में 22 जनवरी को इंटरेक्टिव सत्र

भोपाल। प्रदेश सरकार द्वारा औद्योगिक विकास और निवेश के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए 22 जनवरी को इंटरेक्टिव सत्र पुणे में आयोजित होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पुणे में मध्यप्रदेश में निवेश के अवसर पर आयोजित इंटरेक्टिव सत्र में निवेशकों और उद्योगपतियों से सीधा संवाद करेंगे। यह सत्र न केवल मध्यप्रदेश के निवेश अवसरों को प्रदर्शित करेगा, बल्कि राज्य को उद्योगों के लिए एक अनुकूल स्थान के रूप में स्थापित करने की दिशा में मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रयासों की निरंतरता को भी दर्शाएगा। मुंबई, कोलकाता, बैंगलोर और कोयंबटूर में मिली सफलता के बाद पुणे का यह सत्र निवेशकों के लिए एक और सुनहरा अवसर है। इन शहरों में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपनी दूरदर्शी नीतियों और प्रदेश के निवेश अनुकूल माहौल को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया, जिससे मध्यप्रदेश में निवेश की संभावनाओं को नई दिशा मिली। पुणे का यह सत्र उसी श्रृंखला का हिस्सा है, जो राज्य को निवेश के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम होगा।

मध्य प्रदेश में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन का लक्ष्य 20 लाख टन घटाया, पिछले साल से लिया सबक

भोपाल। प्रदेश सरकार हर बार की तरह इस बार भी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं का उपार्जन करेगी। इसके लिए किसानों का पंजीयन प्रारंभ कर दिया गया है।

पिछले साल 100 लाख टन उपार्जन का लक्ष्य रखा गया था। इसके हिसाब से ही बोरे, सिलाई के लिए धागा और भुगतान के लिए भारतीय रिजर्व बैंक से साख सीमा स्वीकृत कराई गई थी।सरकार ने ऋण की गारंटी ली, पर खरीदी 48 लाख टन ही हुई थी। इससे सबक लेते हुए सरकार ने इस बार लक्ष्य 20 लाख टन घटा दिया है।

अब 80 लाख टन के हिसाब से तैयारी की जा रही है, जबकि गेहूं बोवनी का क्षेत्र चार लाख हेक्टेयर बढ़कर 100 लाख हेक्टेयर हो गया है।गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रति क्विंटल 2,425 रुपये है। यह पिछले वर्ष 2,275 रुपये था। इस पर सरकार ने 125 रुपये प्रति क्विंटल बोनस दिया था।

छह लाख 16 हजार किसानों से 48 लाख 38 हजार टन गेहूं खरीदा गया जबकि, सरकार ने बारिश होने के कारण उपज की गुणवत्ता प्रभावित होने के कारण चमकविहीन गेहूं के लिए निर्धारित मापदंड से छूट भी ले ली थी।

दरअसल, उपज का दाम बाजार में समर्थन मूल्य से अधिक था, जिसके कारण किसानों ने सरकार को देने के स्थान पर या तो बाजार में बेचा या फिर रोककर रख लिया।

इसे देखते हुए सरकार ने आकलन किया और इस बार के लिए उपार्जन का लक्ष्य सौ लाख टन के स्थान पर घटाकर 80 लाख टन कर दिया।

गुणवत्तायुक्त खरीदी सुनिश्चित करने के लिए उपज ग्रेडिंग करके ली जाएगी। इसके लिए व्यवस्था बनाई जा रही है। साथ ही किसानों को भुगतान उनके आधार कार्ड से लिंक बैंक खाते में सीधे किया जाएगा।समर्थन मूल्य पर 43 लाख टन से अधिक हुई धान खरीदी, दो दिन और होगी

प्रदेश में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 43 लाख टन धान की खरीदी हो चुकी है। छह लाख 61 हजार 777 किसानों से यह उपार्जन किया गया। दो दिन और यानी 23 जनवरी तक उपार्जन किया जाएगा।

खाद्य नागरिक आपूर्ति मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि सामान्य धान 2,300 रुपये की दर से खरीदी गई है।अभी तक किसानों को उनके आधार से लिंक बैंक खातों में 7,856 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है।38 लाख 18 हजार 332टन उपार्जित धान का परिवहन हो चुका है और 11 लाख 79 हजार 448 टन धान मिलर्स को दी जा चुकी है।

मंत्री श्री सिलावट ने बुरहानपुर पहुँचकर अधिकारियों की बैठक ली

समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ विकास संबंधी निर्माण कार्य पूर्ण करने के दिये निर्देश

इंदौर। जल संसाधन मंत्री एवं बुरहानपुर जिले के प्रभारी श्री तुलसीराम सिलावट ने बुरहानपुर पहुँचकर विभागीय अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने जिले में चल रहे विकास कार्यो की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि विकास संबंधी सभी निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा में पूरे किये जाए। उन्होंने स्वामित्व योजना व राजस्व तथा जनकल्याण महा अभियान की प्रगति के साथ ही कानून व्यवस्था की समीक्षा भी की।

स्वामित्व योजना एवं राजस्व महा अभियान 3.0 के प्रभावी क्रियान्वयन की सराहना की। बुरहानपुर जिला प्रदेश स्तर पर स्वामित्व योजना एवं राजस्व महाअभियान 3.0 में अव्वल है। प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने रविवार को कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में समीक्षा बैठक ली। मंत्री श्री सिलावट ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये है कि जिले में कानून व्यवस्था दुरस्त रहें। आपराधिक गतिविधियों, भू-माफियाओं पर कड़ी कार्यवाही की जाये। शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाये। शहर में सुगम एवं बेहतर यातायात व्यवस्था की कार्ययोजना बनायी जायें। उन्होंने जुआ, सट्टा, अवैध शराब पर कठोर कार्यवाही करने के निर्देश भी दिये। जन समस्याओं संबंधी प्राप्त आवेदनों के शीघ्र निराकरण के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि, शिविर के दौरान प्राप्त आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण किया जाये, कोई भी आवेदन अकारण लंबित ना रहे। उन्होंने अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि, कार्यो में कोताही नहीं चलेगी। निर्धारित लक्ष्य अनुरूप कार्य नियत समयावधि में किये जायें। उन्होंने आयुष्मान योजना एवं ई-केवायसी की समीक्षा करते हुए कहा कि शेष लक्ष्य को शीघ्र पूर्ण किया जायें। उन्होंने कहा कि जल संग्रहण, संरक्षण हमारी प्राथमिकता है, ताकि सिंचाई हेतु पर्याप्त जल उपलब्ध रहें। अधिकारी गंभीरता से इस पर कार्य करें। क्षेत्र अतिक्रमण मुक्त रहे, तालाब किनारे वृक्षारोपण का कार्य किया जाये। जिले में कुएं, बावड़िया सुरक्षित रहे। जिससे कोई जनहानि ना हो। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सर्वांगीण और समावेशी विकास की दिशा में अग्रसर होने एवं वर्ष 2047 तक विकसित भारत के साथ-साथ मध्य प्रदेश को भी विकसित राज्य बनाने के उद्देश्य से विजन डाक्यूमेंट तैयार किया जा रहा है। इस हेतु सभी के सहयोग से आवश्यक कार्यवाही की जाये। शाति समिति की बैठकें समयावधि में की जाये। उन्होंने पीएमजीएसवाय के तहत सड़कों की स्थिति की जानकारी ली एवं अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही हेतु दिशा-निर्देश भी दिये। विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक में प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने फ्लेगशिप योजनाओं-प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना, फसल बीमा योजना, जल जीवन मिशन, आवास योजना, लाड़ली बहना योजना, खाद्यान्न वितरण, विद्युत वितरण, खाद वितरण इत्यादि विभागीय योजनाओं की समीक्षा की। बैठक में सांसद श्री ज्ञानेश्वर पाटील, विधायक श्रीमती अर्चना चिटनीस, महापौर श्रीमती माधुरी पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री गंगाराम मार्को, जनप्रतिनिधिगण, कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल, पुलिस अधीक्षक श्री देवेन्द्र पाटीदार, अपर कलेक्टर श्री वीरसिंह चौहान सहित अन्य जिला अधिकारीगण मौजूद रहे।

मंत्री श्री सिलावट विभिन्न कार्यक्रमों में हुए शामिल- अपने बुरहानपुर जिले के भ्रमण के दौरान जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने सामूहिक विवाह कार्यक्रम में भाग लिया। प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने नवदंपत्तियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनायें दी। जिले में सामूहिक विवाह में 445 जोड़े का विवाह एवं सामूहिक निकाह में 413 जोड़े का निकाह संपन्न हुआ। इस अवसर पर बाल अधिकार संरक्षण आयोग अध्यक्ष श्री द्रविन्द्र मोरे, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री गंगाराम मार्को सहित अन्य जनप्रनिधिगण, कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल, पुलिस अधीक्षक श्री देवेन्द्र पाटीदार सहित अन्य गणमान्य नागरिकगण तथा बड़ी संख्या में हितग्राहीगण उपस्थित रहे।

इंदौर जिले में मनाया जा रहा है आनंद उत्सव

इंदौर। राज्य शासन द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशानुसार जिले में आनंद उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन के तहत गांव-गांव पारम्परिक खेल आयोजित किये जा रहे हैं। इन आयोजनों में हर आयु वर्ग की व्यापक भागीदारी मिल रही है। यह आयोजन 28 जनवरी तक होंगे। इस आयोजन के तहत नगरीय क्षेत्रों में भी कार्यक्रम हो रहे हैं। महिलाएं एवं बुजुर्ग विशेष रूप से भाग ले रहे हैं।

मंत्री श्री सिलावट ने विद्यार्थियों को शिक्षा का महत्व बताया - विद्यार्थियों से किया संवाद, मन की बात कार्यक्रम से प्रेरणा लेने की कहीं बात

इंदौर। जल संसाधन मंत्री एवं बुरहानपुर जिले के प्रभारी श्री तुलसीराम सिलावट रविवार को बुरहानपुर जिले के प्रवास के दौरान जनजातीय बालक आश्रम बहादरपुर पहुंचे। यहां उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम को आश्रम के विद्यार्थियों के साथ देखा व सुना। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने आश्रम के विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों को मन की बात कार्यक्रम से प्रेरणा लेने की बात कही। प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने विद्यार्थियों को पढ़ाई हेतु प्रोत्साहित करते हुए कहा कि, सभी मन लगाकर पढ़ाई करें, अपना लक्ष्य निर्धारित करें। अच्छे अंक लाये व अपने माता-पिता और जिले का नाम रोशन करें। प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने स्कूली बच्चों में उत्साह भरते हुए सवाल-जवाब भी किये। बच्चों ने भी बड़े उत्साह के साथ प्रभारी मंत्री जी के सवालों के जवाब दिये। इस दौरान छात्रावास में मिलने वाली सुविधाओं के संबंध में बच्चों से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि, जिले के सभी छात्रावासों में बच्चों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध रहें। किसी प्रकार की समस्या ना हो। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने केले के रेशे से बनी सामग्रियां व अन्य सामग्रियां प्रभारी मंत्री श्री सिलावट को भेंट की। मंत्री जी ने भी विद्यार्थियों को उपहार दिये। इस दौरान सांसद श्री ज्ञानेश्वर पाटील, बाल अधिकार संरक्षण आयोग अध्यक्ष श्री द्रविन्द्र मोरे, विधायक श्रीमती अर्चना चिटनीस, महापौर श्रीमती माधुरी पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री गंगाराम मार्को, जनप्रतिनिधिगण, कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल, पुलिस अधीक्षक श्री देवेन्द्र पाटीदार उपस्थित रहें।

यातायात सुधार की मुहिम लगातार जारी

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह एवं नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा के निर्देश पर सघन रूप से इंदौर शहर में यातायात को सुगम बनाने के लिये मुहिम चलाकर कार्रवाई की जा रही है। यह कार्रवाई जिला प्रशासन, यातायात पुलिस एवं नगर निगम के अमले द्वारा संयुक्त रूप से की जा रही है। इसी क्रम में आज जोन 18 अंतर्गत तीन इमली चौराहे से पलड़ा नाका तक ट्रैफिक के सुगम आवागमन हेतु संयुक्त कार्यवाही की गई। यातायात पुलिस द्वारा 13 टू व्हीलर वाहन जप्त कर कार्यवाही की गई । इस दौरान 32 हजार 500 रूपये की चालानी कार्यवाही की गई तथा लगभग 45 वाहनों को चेतावनी दी गई। अमले द्वारा 60 दुकानों के शेड, 12 दुकानों के सामने से ओटले हटाये गए। 90 दुकानों को चेतावनी दी गई। संयुक्त कार्यवाही में एसडीएम श्री ओम नारायण सिंह, एसीपी श्री मुवेल, नगर निगम के झोनल अधिकारी श्री निर्माता हिंडोलिया , भवन निरीक्षण श्री जीशान चिश्ती, सहायक स्वास्थ निरीक्षक श्री धीरेन्द्र सिसोदिया, श्री विनीत तिवारी आदि उपस्थित थे।

स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के संवाद कार्यक्रम में शहीद भगतसिंह के भांजे प्रो. जगमोहन सिंह

इंदौर। शहीदे-आज़म भगत सिंह के भांजे एवं सुप्रसिद्ध लेखक, चिंतक और इतिहासकार प्रो. जगमोहन सिंह ने कहा कि भगत सिंह को गले में फाँसी का फंदा डाल लेने के लिए जाना जाता है, जबकि उन्होंने आज़ादी आंदोलन के साथ-साथ हरित क्रांति पर कार्य किया था। समाज के हर व्यक्ति को उसके अधिकार मिले इसी के लिए भगत सिंह ने कई प्रयास किए।

प्रो. सिंह स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के संवाद कार्यक्रम में मीडियाकर्मियों से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने बताया कि आजादी की लड़ाई के दौरान भगत सिंह ने युवाओं एवं महिलाओं को समाज में आगे रखने का अभियान चलाया था। पर्यावरण और गरीबी दूर करने के लिए भी उन्होंने कई कार्यक्रम चलाये थे। उन्हें इस बात का भान था कि युवा और महिला ही समाज में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। उन्होंने कहा कि राम मंदिर निर्माण से रामराज्य नहीं आएगा। जब तक देश में भूखमरी, बेरोज़गारी, पर्यावरण जैसी प्रचुर समस्याएं हैं तब तक रामराज्य नहीं आ सकता। राम मंदिर निर्माण के बाद आज़ादी मिली संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत के बयान पर छिड़ी बहस पर उन्होंने कहा कि पहली बात यह है कि आजादी को हम डिफाइन क्या करते हैं? और जब आप आजादी की डेफिनेशन बदलेंगे तब आपके सवाल हल हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि अगर मंदिर बनने से सब लोगों को रोटी मिल गई, काम मिल गया, उनकी सब समस्याओं का समाधान हो गया तो मैं कहूंगा कि मंदिर निर्माण ठीक था। उन्होंने कहा कि इतिहास में ही देख लीजिए कि हमने मंदिरों से ही इतना धन इकट्ठा किया कि हमने बाहर से आक्रमणकर्ताओं को इनवाइट किया कि आप आए और हमारा धन लूट के ले जाओ।

प्रो. सिंह ने कहा कि आज अडानी-अंबानी जैसे देश के बड़े कारपोरेट हाउसेस के लिए तो अलग तरह की आजादी है लेकिन आम और परेशान आदमी के लिए आजादी के मायने अलग हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अपने कार्यकाल के पहले की देश की उपलब्धियों को लेकर आँखें मूंद रखी हैं। उन्हें लगता है आजादी के सत्तर वर्षों में गैर भाजपाई सरकारों ने कोई काम ही नहीं किया।

एक प्रश्न के जवाब में उन्होंने कहा कि लेख, पुस्तकों एवं फिल्मों के माध्यम से पूर्व प्रधानमंत्रियों एवं महापुरुषों को बदनाम करने की मुहिम चला रखी है। यही काम आज़ादी से पहले अंग्रेज़ करते थे। वे स्थानीय राजाओं को अय्याश और मक्कार बताकर उन्हें बदनाम करते थे। जनता सब समझती है सरकार के ऐसे प्रयास सफल नहीं हो रहे।

प्रो. सिंह ने कहा कि जीएसटी के माध्यम से केंद्र सरकार राज्यों का पैसा वसूल रही है लेकिन शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे मूलभूत चीजों के लिए बजट आवंटित करने में आनाकानी कर रही है। कई राज्य बजट के अभाव में स्कूल, अस्पताल जैसे महत्वपूर्ण प्रकल्प बंद करने पर मजबूर हो गई है। प्रारम्भ में प्रगति लेखक संघ के विनीत तिवारी ने प्रो. सिंह का परिचय दिया। अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल, महासचिव अभिषेक बडजात्या, समीर खान एवं अरविन्द पोरवाल ने प्रो. सिंह का स्वागत किया।

म.प्र. मदरसा बोर्ड की कक्षा 10वीं-12वीं उर्दू माध्यम के परीक्षा आवेदन 31 मार्च तक

इंदौर। म.प्र. मदरसा बोर्ड की सत्र 2025 में आयोजित होने वाली कक्षा 10वीं-12वीं उर्दू माध्यम की परीक्षाओं के आवेदन-पत्र भरने की सुविधा प्रारंभ हो गई है। अधिकृत अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से आज 20 जनवरी 2025 से 31 मार्च 2025 तक एम.पी. ऑनलाइन पोर्टल पर उपलब्ध रहेगी। आवेदन-पत्रों में त्रुटि सुधार 10 अप्रैल तक किया जा सकता है। ऑनलाइन आवेदन के पश्चात मूल दस्तावेज 15 अप्रैल 2025 तक भेजे जाना अनिवार्य है। इन परीक्षाओं को भारत सरकार एवं राज्य शासन से मान्यता एवं समकक्षता प्राप्त है। अधिकृत अध्ययन केन्द्रों एवं छात्रों को निर्देशित किया जाता है कि आवेदन-पत्र भरने से पूर्व बोर्ड द्वारा जारी दिशा निर्देशों का भलिभांति अवलोकन कर लें, जिससे की आवेदन-पत्रों में किसी प्रकार की त्रुटि न हो। दिशा-निर्देश मदरसा बोर्ड की वेबसाइट mpmb.org.in पर उपलब्ध हैं।

अजा/अजजा के विद्यार्थियों के लिए एमपी टास्क पोर्टल में आवेदन की प्रक्रिया हुई शुरू

इंदौर। राज्य शासन द्वारा अनुसूचित जाति और जनजाति के विद्यार्थियों की पोस्ट मेट्रिक छात्रवृत्ति के लिये एमपी टास्क पोर्टल प्रारंभ हो गया है। यह पोर्टल 31 जनवरी तक ओपन रहेगा। आदिम जाति कल्याण विभाग की जिला संयोजक श्रीमती सुप्रिया बिसेन ने बताया कि जिले के समस्त शासकीय/अशासकीय महाविद्यालयों/विश्वविद्यालय में अध्ययनरत अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थी पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति एवं आवास सहायता योजनान्तर्गत MPTAASC पोर्टल पर नवीन एवं नवीनीकरण के आवेदन दर्ज कर सकते है। यह पोर्टल लिंक वर्ष 2022-23, 2023-24 एवं 2024-25 की इंट्री के लिये 31 जनवरी 2025 तक ओपन रहेगा। जिले के समस्त शासकीय/अशासकीय महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों से कहा गया है कि वे इस सुविधा का लाभ लेते हुए MPTAASC पोर्टल पर निर्धारित समय-सीमा में अपने आवेदन दर्ज कर सकते है।

जय श्री महाकाल ...

मृत्युंजय महाकाल त्राहिमाम शरणागतः ,
जन्म मृत्यु जरा व्याधि पीड़ितो कर्म बंधनाह
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर प्रभु सभी को आरोग्यता प्रदान करें।

मुख्यमंत्री ने अमर शहीद हेमू कालाणी के बलिदान दिवस पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

श्रद्धालुओं की आस्था को ठेस न पहुंचे इसके लिए उज्जैन सहित प्रदेश के अन्य धार्मिक नगरों में की जाएगी पूर्ण शराब बंदी-मुख्यमंत्री

उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मंगलवार को उज्जैन की सिंधी कॉलोनी स्थित क्रांतिकारी और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अमर शहीद हेमू कालाणी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने अवसर पर कहा कि आज अमर शहीद हेमू कॉलोनी का बलिदान दिवस है। उन्होंने मात्र 19 वर्ष की उम्र में स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि हेमू कालाणी सहित अन्य क्रांतिकारियों के अथक प्रयासों से एक हजार साल के लगभग का गुलामी का काल खत्म हुआ। हर शताब्दी में भारत माता की गोद में विदेशी आक्रंताओं से लड़ने वाले वीर शहीदों ने जन्म लेकर भारतीय संस्कृति की रक्षा कर जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी को चरितार्थ किया है। अंग्रेजी आक्रंताओं ने 64 ट्रीलियन डॉलर से अधिक धन भारत से लूटा। हमारे अमर शहीदों ने अपना सर्वस्व न्योछावर कर अंग्रेजों को देश से भगाकर इस लूट को रोका था।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि पृथ्वीराज चौहान (1192) से 1947 तक हमारे देश का इतिहास निरंतर वीर शहीदों और शूरवीरों से सुसज्जित रहा है। महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी महाराज, गोंड साम्राज्य, बाजीराव पेशवा, सिंधिया साम्राज्य, होलकर साम्राज्य सहित अन्य साम्राज्यों ने विदेशी आक्रंताओं से निरंतर लड़ाई लड़ी। मुगल व अन्य विदेशी आक्रमणकारियों ने हमारे मंदिरों व संस्कृति पर निरंतर आक्रमण किए।

हमने अपने बाहुबल से इन घटनाओं का समयोचित तरीके से उत्तर सनातन संस्कृति तथा श्री चिंतामण गणेश, बड़ा गणपति महाराज, श्री कालभैरव, श्री मंगलनाथ महाराज, श्री सिद्धनाथ महाराज देवस्थानों को पुर्नस्थापित कर दिया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि श्रद्धालुओं की आस्था को ठेस न पहुंचे इसके लिए उज्जैन सहित प्रदेश के अन्य धार्मिक नगरों में जल्द ही पूर्ण शराब बंदी की जाएगी। हमारा संपूर्ण ध्यान धार्मिक, प्राकृतिक व सांस्कृतिक पर्यटन को प्रदेश में बढ़ावा देने पर है। इससे प्रदेशवासियों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे और प्रदेश का चहुंमुखी विकास होगा।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने प्रमाण सागर जी महाराज से आशीर्वाद लिया

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने उज्जैन जैसे धार्मिक नगरी में शराबबंदी को लेकर महाराज श्री से चर्चा की

उज्जैन।। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव मंगलवार को पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर श्रीगंज पहुंचे जहां मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज से आशीर्वाद लिया एवं आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज किया प्रथम पुण्यतिथि के विषय में चर्चा की एवं उज्जैन जैसे धार्मिक नगर में शराबबंदी को लेकर भीड़ चर्चा हुई वहीं कई विषयों पर मुख्यमंत्री एवं मुनि श्री के बीच चर्चा हुई

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के साथ महापौर मुकेश टटवाल, निगम सभापति कलावती यादवज़ विधायक अनिल जैन कालूखेड़ाज़ भारतीय जनता पार्टी के नगर एवं जिला अध्यक्ष संजय अग्रवाल, रवि सोलंकी, राजेश कुशवाहा, अशोक जैन मुन्ना जैन एवं संपूर्ण प्रशासन पुलिस प्रशासन मीडिया कर्मी प्रभुत्व वर्क अधिकारी लोग मौजूद थे।

समाज सचिव मीडिया प्रभारी सचिन कासलीवाल ने बताया कि छोटे से आग्रह पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज के दर्शन करने दिगंबर जैन मंदिर पहुंचे जहां उनकी कई विषयों पर चर्चा हुई

कासलीवाल ने बताया कि भावना योग प्रणेता मुनिश्री प्रमाण सागर जी महाराज ने आज भावना योग के बारे में बताया की भावना योग का सीधा मतलब भावनाओं का योग है यह हमारे मन को मस्त , तन को चुस्त और चेतना को प्रशस्त बनाने का अभिनव प्रयोग है।

सर्व श्री सनातन धर्म संस्कार जन कल्याण समिति संगठन का विस्तार

उज्जैन। सर्व श्री सनातन धर्म संस्कार जन कल्याण समिति के संगठन का विस्तार किया गया। जिसमें नवीन पदाधिकारी के रूप में कल्पना पटवा इंदौर को महासचिव के पद पर मनोनीत किया गया।

इस अवसर पर संगठन के अध्यक्ष मनोज रावत, संगठन की उपाध्यक्ष निहारिका शर्मा, अर्चना शर्मा प्रदेश महामंत्री एवं प्रखर जोशी उपस्थित रहे। कल्पना पटवा को संगठन में मनोनीत होने पर मीनू जैन, उषा कंठालिया, मंजू जैन, कांता रानी, ज्योति शर्मा आदि ने हर्ष व्यक्त कर अभिनंदन किया।

भारत सरकार युवा और खेल मंत्रालय द्वारा श्री अनिल फिरोजिया सदस्य मानोनीत

उज्जैन। भारत सरकार युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा नेहरू युवा केद्र संगठन के नियम 9 (क) के अनुसारण द्वारा शासी निकाय में उज्जैन आलोट संसदीय क्षेत्र के लोक सभा सांसद श्री अनिल फिरोजिया को सदस्य के रूप में नामित किया गया। आपकी सदस्यता अवधि 3 वर्ष रहेगी। नेहरू युवा केन्द्र भारत सरकार के एक स्वायत्तीय निकय के रूप में कार्य कर रही है। वर्ष 1987-88 में स्थापन हुई जो वर्तमान में युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय के अधीन कार्य कर रही है। यह 13-35 वर्ष के युवाओं की शक्ति को सही दिशा देता है। इसका मुख्य कार्य युवा मंडलो के सृजन एवं सशक्तिकरण पर ध्यान केन्द्रित करते हुए युवाओं में राष्ट निर्माण और देश भक्ति, अच्छी नागरिकता के मुल्यों का विकास करना, धर्मनिरपेक्ष सोच एवं व्यवहार का विकास करना, युवाओं में कौशल का विकास करना, रचनात्मक और संगठनात्मक प्रथाओं को अपनाने में मदद करना, राष्ट निर्माण गतिविधियों में ग्रामीण युवाओं की भागीदारी, युवाओं में ऐसे कौशल और मूल्य विकसित करना जिससे वे एक आधुनिक धर्मनिरपेक्ष और तकनीकी राष्ट के जिम्मेदार नागरिक बन सकें। इसके साथ ही स्वच्छ भारत अभियान जैसे अभियानों में भाग लेना। सांसद श्री अनिल फिरोजिया विगत कई वर्षो युवों के लिए कई कार्यक्रम नगर एवं जिले में आयोजित करते आ रहे है खेलों को बढ़वा देने के लिए अखिल भारतीय फिरोजिया ट्राफी (क्रिकेट प्रतियोगिता) विगत 20 वर्षो से, फुटबाल, हॉकी, जूटों कारटे, जूटकून्टो आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन युवों को रोजगार हेतु जॉबफेर का आयोजन, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि करते आ रहे है।

श्री वल्लभ वैष्णव मंडल उज्जैन ने बनाए दो गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड

उज्जैन। श्री वल्लभ्भ मंडल उज्जैन द्वारा प्रथम वर्ल्ड रिकॉर्ड जगतगुरू वल्लभ संप्रदाय आचार्य डॉ. गोस्वामी श्री वृजोत्सवजी का केशर स्नान वैष्णवों द्वारा एक साथ कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया गया। मीडिया प्रभारी दीपक राजवानी में बताया कि जिसमें श्री वल्लभ वैष्णव मंडल अध्यक्ष राजेंद्र शाह एवं संस्थापक संयोजक विठ्ठल नागर के साथ महिला मंडल अध्यक्ष हेतल शाह के मुख्य संयोजन में हुआ।

तथा एक और वर्ल्ड रिकॉर्ड युवा आचार्य गीता तत्व मर्मज्ञ को बाल्यकाल से ही विश्वभर में सनातन धर्म वैदिक धर्म का प्रचार करने पर गीता तत्व मर्मज्ञ सम्मान से सम्मानित किया गया। गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में गोस्वामी उमंग रायजी बृजेश्वरजी द्वारा वैष्णवजनों को महाप्रसाद वितरण का बनाया गया जो कि श्री वल्लभ वैष्णव युवा मंडल के अध्यक्ष विशाल नीमा, वैष्णव मंडल के सचिव आनंद पुरोहित तथा मीडिया

प्रभारी दीपक राजवानी के मुख्य संयोजन में हुआ।

ज्ञातव्य है कि पिछले दिनों श्री वल्लभ वैष्णव मंडल महिला मंडल एवं युवा मंडल उज्जैन द्वारा श्रीमद् भागवत कथा रसपान महोत्सव एवं 108 भागवतजी पारायण का आयोजन संपन्न हुआ जिसमें भव्य शोभायात्रा, भागवत माहात्म्य महारास, श्रीकुंतीजी, भीष्म स्तुति, श्री वाराह अवतार, श्री कपिल जन्म, भजन संध्या, ध्रुव चरित्र, जड़ भरत रहुगण उपाख्यान, अजामिल उपाख्यान, दीपदान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम, श्री नरसिंहावतार, श्री वामनावतार, श्री रामावतार, श्रीकृष्ण जन्म, श्री नंद महोत्सव, श्रीबाल लीला, श्री गोवर्धन लीला, वेणु गीत, अन्नकूट महोत्सव एवं छप्पन भोग मनोरथ, श्री तुलसी विवाह मनोरथ, गोपी गीत महारास, अन्नकूट एवं उद्धजी प्रसंग, रूक्मणी विवाह, वर्ल्ड रिकॉर्ड हेतु प्रयास एवं फूल फाग महोत्सव, श्री सुदामा चरित्र श्रीकृष्ण उध्दव संवाद तथा कथा का समापन हुआ।

उपरोक्त दोनों वर्ल्ड रिकॉर्ड बनने पर श्री वल्लभ वैष्णव मंडल के संस्थापक संयोजक श्री विठ्ठल नागर अध्यक्ष राजेंद्र शाह, कोषाध्यक्ष जयेश श्राफ, सचिव आनंद पुरोहित, श्री वल्लभ वैष्णव युवा मंडल के अध्यक्ष विशाल नीमा, कोषाध्यक्ष अमर दिसावल, सचिव अमित नागर, श्री वल्लभ वैष्णव महिला मंडल के समन्वयक राजश्री दिसावल, पारूल शाह, अध्यक्ष हेतल शाह, कोषाध्यक्ष वर्तिका नागर, सचिव नुपूर नीमा, कार्यक्रम संयोजक शैलेंद्र राठी, हरिसिंह यादव, पवन गोयल, सुभाष सोनी, मनोज खंडेलवाल, मनीष नागर का विशेष सहयोग रहा।

आचार्य डॉ. गोस्वामी श्री वृजोत्सवजी सोमयज्ञ सम्राट है। आपको राष्ट्रीय सम्मान के साथ स्वर सम्मान से विभूषित किया गया है। आपके द्वारा 20 से अधिक ग्रंथों का लेखन व 800 से अधिक काव्य रचनाओं का प्रकाशन हुआ है। आपने विश्व में सर्वाधिक वैदिक सोमयज्ञ कर वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाया है तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मेलनों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। आपको अभी तक 10 उपाधियां एवं वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड लंदन में नामित किया गया।

उज्जैन के डॉ राजीव सक्सेना जी के अनुज श्री अनिल कुमार सक्सेना को प्रशासनिक सेवा में योगदान के लिए सम्मान

उज्जैन। डॉ राजीव सक्सेना जी के अनुज श्री अनिल कुमार सक्सेना को प्रशासनिक सेवा में योगदान के लिए भोपाल में कायस्थम संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया गया।

अनिल कुमार सक्सेना, 1984 बैच के भारतीय सूचना सेवा (आईआईएस एलाइड) अधिकारी, 36 वर्षों के प्रशासनिक अनुभव के साथ सरकारी नीतियों, जनसंपर्क और मीडिया प्रबंधन में अपनी अमिट छाप छोड़ चुके हैं। वर्तमान में, वे रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल), रेल मंत्रालय भारत सरकार दिल्ली में वरिष्ठ सलाहकार हैं।

सम्मान समारोह में मनोज कुमार श्रीवास्तव राज्य निर्वाचन आयुक्त, मध्यप्रदेश शासन, श्री आलोक संजर भूतपूर्व सांसद लोकसभा भोपाल, श्री महेश श्रीवास्तव भूतपूर्व अतिथि के रूप में उपस्थित थे। श्री सक्सेना का गमछा , स्मृति चिह्न, प्रमाण पत्र,फूलों का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत सम्मान किया।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com